हरिभूमि
रायपुर भूमि

राजधानी में 88% रही उपस्थिति, फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री

एसआई-सूबेदार परीक्षा में पूछा-क्रिकेट पिच की लंबाई, मुद्रास्फीति, सामान्य ज्ञान में उलझे परीक्षार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने रविवार को सब इंस्पेक्टर, सूबेदार और प्लाटून कमांडर के रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की। परीक्षा में पूछे गए सामान्य ज्ञान के सवालों ने परीक्षार्थियों को उलझाया। कैंडिडेट्स और विशेषज्ञों के ⏭शेष पेज 11 पर

गणित के सवाल कठिन

भाषा के सवाल सामान्य रहे। गणित के सवाल सर्वाधिक कठिन और समय लेने वाले रहे। कंप्यूटर आधारित सवाल परंपरागत ना होकर नवीन तकनीक पर आधारित रहे। छग से संबंधित सवालों में नक्सलवाद जैसे विषय प्रमुखता से शामिल रहे। सर्वाधिक 35 प्रश्न सामान्य अध्ययन के पूछे गए। हिंदी, गणित व रीजनिंग के 10-10 सवाल पूछे गए। जबकि इंग्लिश व कंप्यूटर के 5-5 सवाल पूछे गए। क्रिकेट पिच, कृषि विवि सहित जनउला से जुड़े कुछ सवाल रोचक भी रहे।

इस तरह के सवाल

- 'छै महीना के रांधे भात, जब खाबे तक ताते-तात' जनउला का अर्थ क्या है?
- आईसीसी के अनुसार एक क्रिकेट पिच की लंबाई कितनी होती है?
- कंप्यूटर वायरस और वर्म के मध्य अंतर।
- भारत सरकार द्वारा नक्सलवाद से निपटने के लिए तैयार किया गया समाधान सिद्धांत।
- भारत में कोर मुद्रास्फीति से आशय।
- छग में पुलिस व्यवस्था किस अधिनियम के अंतर्गत स्थापित की गई थी?
- वेदांत सूत्र का लेखक कौन है?
- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का मुख्य फोकस क्या है?
- पारिस्थितिक तंत्र के दो मुख्य घटक कौन से हैं?
- आईटी अधिनियम के अंतर्गत डिजिटल सिग्नेचर कौन जारी करता है?
- विश्व आद्रभूमि दिवस कब मनाया जाता है?
- इंदिरा गांधी कृषि विवि की स्थापना, पुरस्कार संबंधित जानकारी।
- स्वर्ण क्रांति किससे संबंधित है?
- किस शहर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है?

B.M. COLLEGE
BCA | BBA
PGDCA | B.Ed.
आई.टी.आई.
कोपा | इलेक्ट्रिशियन
हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
डीजल मैकेनिक
फायर टेक्नालॉजी
स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
9340311314, 9300850065
9303898329, 9098849923

खबर संक्षेप

गांजा तस्करी, हरियाणा-यूपी के तीन तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। गांजा तस्करी कर उत्तरप्रदेश, हरियाणा ले जाने की फिराक में इंटरस्टेट बस टर्मिनल में घूम रहे तीन युवकों को टिकरापारा थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 10 किलो गांजा जब्त किया है। गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस ने हरियाणा के पानीपत निवासी कपिल कटारिया, उत्तरप्रदेश प्रयागराज निवासी महेश दुबे तथा उत्तरप्रदेश अलीगढ़ निवासी अनिल शर्मा को गिरफ्तार किया। तीनों युवक ओडिशा से गांजा लेकर रायपुर पहुंचे थे।

पब, ढाबा, होटल और बार संचालकों की बैठक

रायपुर। सिविल लाइंस एसीपी, टीआई द्वारा तेलीबांधा क्षेत्र में संचालित पब, ढाबा, होटल, बार संचालकों की रविवार को बैठक ली गई, जिसमें सभी को निर्धारित समय अवधि में प्रतिष्ठान बंद करने तथा संबंधित प्रतिष्ठान के सामने वाहनों को निर्धारित पार्किंग में रखने, नाबालिग को किसी भी क्लब में प्रवेश न देने, प्रतिष्ठान के सामने वाहनों में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की नशा न करे, नशा करते पाए जाने पर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई करने चेतावनी दी गई है।

बैंक में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर। बूढ़ापारा चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक में रविवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने में करीब एक घंटे का समय लगा। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

सड़कों के निर्माण-चौड़ीकरण के लिए 127 करोड़ का प्रावधान, पर काम शुरू नहीं हो पा रहा

सात सड़कें, 17 झंझट, चार का सर्वे हो चुका, पर कई तरह की चुनौती, काम ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर शहर को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत 7 सड़कों का चौड़ीकरण और निर्माण किया जाना है। इनमें से चार सड़कों के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सर्वे पूरा कर लिया है, लेकिन कार्य आसान नहीं होगा। इसमें भी कई जगह पर पेंच नजर आ रहा है। केनाल रोड 2.0 यानी कलर्स मॉल के पीछे से भाठागांव मार्ग तक 4.5 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए कराए गए सर्वे में नहर पट्टी से लगी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण वाली अवैध बस्तियां हटाना निगम के लिए बड़ी चुनौती है। वहीं कचना क्रॉसिंग से सेंट जेवियर होते हुए वीआईपी रोड तक सड़क चौड़ीकरण में निजी जमीन का पेंच सामने आया है। नगर निगम ने डीपीआर बनाकर शासन को प्रस्ताव भेजा है, पर आगे ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि सरोकार

तात्यापारा से शारदा चौक : फ्लाईओवर या सड़क चौड़ीकरण?

शहर के शारदा चौक से तात्यापारा मार्ग के विकास को लेकर फ्लाईओवर या सड़क चौड़ीकरण इस पर अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने फरवरी 2026 के बजट में इस मार्ग पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए 100 करोड़ का प्रावधान किया है, जबकि स्थानीय निवासियों और व्यापारियों के साथ-साथ रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित शहर के विधायकों ने फ्लाईओवर की जगह सड़क चौड़ीकरण करने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दिया है कि फ्लाईओवर बनने से नीचे के व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होगा। हैरानी की बात ये हे कि राज्य के बजट में राशि स्वीकृत होने के बाद भी एजेंसी का निर्धारण ⏭शेष पेज 11 पर

कचना क्रासिंग से सेंट जेवियर होते हुए वीआईपी रोड तक सड़क चौड़ीकरण

लभांडी चौक से अग्रसेन धाम होते हुए फुंडहर चौक तक सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले रहवासियों को नगर निगम जोन-9 ने नोटिस जारी कर भू स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री कॉपी, बी-1, भवन निर्माण अनुज्ञा, संपत्ति कर की रसीद और स्वीकृत मानचित्र की प्रतियां जमा करने कहा। प्रभावितों ने 4 मई को तत्कालीन निगम आयुक्त विश्वदीप से मुलाकात कर आदेश को अव्यवहारिक बताते हुए तर्क दिया कि फुंडहर और सूरज नगर की सड़कों की चौड़ाई पहले ही पर्याप्त है। इसलिए कई साल से रहने वालों को वहां से बेघर कर सड़क चौड़ीकरण की कोई तुक नहीं है। नगर उत्थान योजना 2026-27 में यहां सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है। चूंकि सड़क चौड़ीकरण में जमीन अधिग्रहण का मुद्दा आ रहा है, इसलिए इसमें पेंच फंस गया है। पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड पार्षद रेणु जयंत साहू ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण में लोगों के निजी मकान, खाली प्लॉट, सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक भवन के अलावा मंदिर भी आ रहा है। 130 लोगों को निगम जोन-9 ने नोटिस दिया था। इस योजना में 20 करोड़ रुपए सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रावधान है।

मनुआस रियलिटी से महादेवघाट तक वैकल्पिक मार्ग

नगर निगम जोन 8 क्षेत्र स्थित मनुआस रियलिटी से महादेवघाट तक 2.1 किलोमीटर सड़क निर्माण और चौड़ीकरण करने प्रारंभिक स्तर पर नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सर्वे कर, पूरा डीपीआर बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा है। 30 करोड़ का प्रावधान इस मार्ग के लिए किया गया है। इससे रायपुरा से महादेवघाट मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वैकल्पिक मार्ग लोगों को उपलब्ध होगा, पर डीपीआर की स्वीकृति लंबित होने से सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का काम रत्तीभर आगे नहीं बढ़ पाया है। लोगों को इस वैकल्पिक मार्ग के तैयार होने का इंतजार है, क्योंकि रायपुरा से महादेवघाट मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव होने से लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है।

केनाल रोड 2.0

कलर्स मॉल के पीछे से भाठागांव तक 4.5 किलोमीटर दायरे में सड़क निर्माण और चौड़ीकरण की योजना है। इसके लिए संबंधित जोन, लोककर्म विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे किया गया है, जिसमें नहर पट्टी के पास सरकारी जमीन पर बनाए गुरमुख नगर को चिन्हांकित किया गया है। इसे हटाने के लिए वहां के रहवासियों को जोन के माध्यम से नोटिस दिया गया है। प्रभावितों ने गत दिनों महापौर मीनल चौबे से मिलकर अपनी समस्या रखी थी। नगर निगम ने इसका डीपीआर बनाकर राज्य शासन को भेजा है। केनाल रोड 2.0 बनने से नेशनल हाईवे-53 पर ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, साथ ही यह मार्ग नई कनेक्टीविटी प्रदान करेगा।

पंडरी कपड़ा मार्केट से मुख्य मार्ग तक सीधी सड़क

पंडरी कपड़ा मार्केट से सीधी सड़क पंडरी मुख्य मार्ग तक बनाई जानी है। इसके लिए 6 करोड़ का प्रावधान किया गया है, पर इसमें कुछ निजी जमीन भी सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आ रही है। पॉश इलाके की जमीन होने के कारण इसका बाजार मूल्य भी ज्यादा है, ऐसे में मुआवजा का पेंच फंस रहा है। जिस कार्य के लिए 6 करोड़ का प्रावधान है, उसकी जगह उसमें 16 करोड़ का खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में डीपीआर बनाकर शासन के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

नाले पर बनाए अवैध पाटे तोड़कर सफाई श्मशानघाट में कच्चा नाला खोदकर निकासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में जलभराव की समस्या को लेकर महापौर मीनल चौबे द्वारा बुलाई गई विशेष सामान्य सभा में

- विशेष सामान्य सभा में पार्षदों की नाराजगी का दिखा असर

जलभराव की शिकायत के बाद भी नाले-नालियों की सफाई में अनदेखी और अवैध पाटों की शिकायत के बावजूद इसे नहीं तोड़ने पर उपजी पार्षदों की नाराजगी के बाद निगम प्रशासन एक्शन मोड में आया है। अलग-अलग जोन में जलभराव की

समस्या का स्थल पर निराकरण करने निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन स्तर की टीम भेजी जा रही है। रविवार को रायपुर नगर निगम जोन-9 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महात्मा गांधी वार्ड में डेकथलान के समीप मार्ग में नाले पर कब्जा जमाकर बनाए गए अवैध पाटे को जेसीबी मशीन से तोड़कर नाले की ⏭शेष पेज 11 पर

ओडिशा के गांजा तस्कर से जेल में हुई थी पहचान

नेटवर्क खड़ा करने के पहले ही इंटरस्टेट गांजा तस्करी रैकेट को पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में गांजा के अवैध कारोबार का नेटवर्क खड़ा करने के पूर्व ही एक इंटरस्टेट गैंग के पांच सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से

- पति-पत्नी समेत पांच गिरफ्तार

46 किलो गांजा जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक दंपति भी शामिल हैं। गांजा तस्करों को गिरफ्तार करने में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के साथ क्राइम तथा टिकरापारा थाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गिरफ्तार तस्कर पूर्व में नारकोटिक्स एक्ट के प्रकरणों में रायपुर, महासमुंद एवं ओडिशा के जेल में बंद रह चुके हैं। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने पंडरी निवासी राजा टंडन, उसकी पत्नी

नीतू, कमलेश सोनवानी, ओडिशा, कालाहांडी निवासी बनमाली तांडी, अनु तांडी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर कमल विहार क्षेत्र में किसी को गांजा देने की फिराक में घूम रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ⏭शेष पेज 11 पर

ओडिशा जेल में संपर्क होने पर नेटवर्क बढ़ाने की योजना

राजा गांजा तस्करी के आरोप में ओडिशा की टिटलागढ़ जेल में बंद था। इस दौरान उसकी पहचान जेल में पहले से बंद बनमाली से हुई। इसके बाद दोनों ने रायपुर में बड़ा नेटवर्क तैयार कर गांजा खपाने की योजना बनाई। फिर राजा कमलेश के संपर्क में आया। कमलेश पूर्व में गांजा तस्करी करने के आरोप में चार बार रायपुर तथा महासमुंद की जेलों में रहा है। राजा की पत्नी गांजा खपाने कुरियर का काम करती थी। महिला होने के साथ लंगड़ाकर चलने पर किसी को उस पर गांजा तस्करी की आशंका नहीं होती थी। इसका फायदा उठाते हुए राजा अपनी पत्नी माध्यम से गांजा एक से दूसरे स्थान तक भेजने का काम करता था।

जिन लोगों को हाउस अरेस्ट किया गया उनके वीजा जब्त

श्रीलंका में महादेव सट्टा एप से जुड़े 147 भारतीय हाउस अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप से जुड़े लोगों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर की ओमान में हुई गिरफ्तारी के बाद श्रीलंका में 147 भारतीय युवाओं के हाउस अरेस्ट होने की बात सामने आई है। हालांकि उनके अरेस्ट होने की अब तक सरकारी पुष्टि नहीं हुई है, पर सूत्रों का कहना है कि इनमें रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव के अलावा बिहार तथा उत्तरप्रदेश के युवा शामिल हैं। उन सभी 147 लोगों के वीजा, पासपोर्ट जब्त किए जाने की भी चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क से जुड़े कथित ऑपरेटर सिकंदर प्रसाद ने युवकों को निजी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर श्रीलंका भेजा था। उनके परिजनों को बताया गया था कि उन्हें 45 हजार रुपए मासिक वेतन के साथ रहने और खाने की सुविधा मिलेगी। कार्रवाई के बाद कई परिवारों को पता चला कि उनके बच्चे कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टा पैनल में काम कर रहे थे। भारतीयों के हाउस अरेस्ट होने की चर्चा श्रीलंका गए युवकों के परिजनों से निकलकर सामने आई है।

- संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त होने पर किया हाउस अरेस्ट

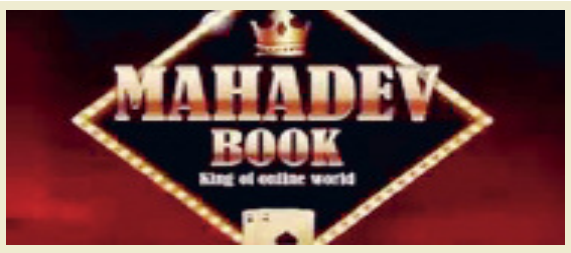

सिकंदर की तलाश में जुटी पुलिस

सूत्रों के मुताबिक, श्रीलंका में कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद सिकंदर प्रसाद दुबई से भारत लौट आया और फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उस पर पहले भी ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क से जुड़े संचालन के आरोप लगते रहे हैं। महादेव एप के कथित प्रमोटरों सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ भारतीय एजेंसियां कार्रवाई की प्रक्रिया में जुटी हैं। एजेंसियों ने दुबई स्थित उनकी कथित संपत्तियों और गतिविधियों से संबंधित जानकारी भारतीय दूतावास के माध्यम से साझा की है। वहां भारतीय एजेंसियों द्वारा कार्रवाई तेज किए जाने की बात बताई जा रही है।

कौन है सिकंदर

सिकंदर प्रसाद दुर्ग छावनी कैंप में रहता था, वहां उसके अवैध शराब के साथ अन्य छोटी-मोटी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की बात सामने आई है। महादेव सट्टा एप शुरू होने के बाद वह उससे जुड़ गया। उसके ऑनलाइन सट्टा एप के फाउंडर सदस्यों में नाम शामिल होने की बात सामने आई है। दुबई तथा श्रीलंका में वर्कर की जरूरत पड़ने पर स्थानीय बेरोजगार युवकों को सिकंदर काम दिलाने का झांसा देकर जोड़ने लगा और उन सभी को श्रीलंका के साथ दुबई शिफ्ट कराने में सौरभ चंद्राकर तथा रवि उप्पल की मदद लेने की बात सामने आई है। छावनी पुलिस सिकंदर की लंबे अरसे से तलाश कर रही है।

अग्रसेन
प्रा. आई.टी. आई
BHILAI | DHANORA
ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
FITTER 2 Year (10th Pass)
C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
छत्तीसगढ़ राज्य की बालिकाओं एवं महिलाओं को COPA ट्रेड में निशुल्क प्रशिक्षण
Affiliated By: N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत / भूतपूर्व सैनिको के परिवार एवं दिव्यांग छात्रा - छात्राओ के लिए संपूर्ण फीस में 25% की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरूद रोड़ कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस,ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

शादियों का सीजन खत्म, सराफा की चमक फीकी पड़ी, अब त्योहारी सीजन से उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सोने-चांदी की कीमत कम ज्यादा होने से 80 फीसदी कारोबार प्रभावित

सोने और चांदी के लगातार घटते दाम के कारण प्रदेश का सराफा कारोबार एक बार फिर से 80 फीसदी तक चौपट हो गया है। कुछ दिनों तक शादियों के सीजन के कारण थोड़ी रौनक लौटी थी, लेकिन अब वापस कारोबार मंदा हो गया है। जहां एक तरफ निवेशकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं, वहीं सामान्य ग्राहकों का भी टोटा हो गया है। सामान्य ग्राहक दाम और कम होने का इंतजार कर रहे हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

प्रदेश में रोज सोने और चांदी का करीब 50 करोड़ का कारोबार होता है, इसमें से करीब 30 करोड़ का कारोबार निवेश से ही होता है। लेकिन अब निवेशकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं तो रोज करीब 25 करोड़ का कारोबार प्रभावित हो गया है। 80 फीसदी निवेश भी बंद हो गया है। यही नहीं आम खरीदारी भी बहुत कम होने के कारण सराफा कारोबारियों की हालत खराब हो गई है। आम खरीदारी भी 80 फीसदी कम हो गई है। कुल मिलाकर रोज का कारोबार अब दस करोड़ से भी कम का रह गया है। चांदी के आयात पर प्रतिबंध के कारण इसके दाम बढ़ने की संभावना थी, लेकिन अब दाम कम हो गए हैं। लेकिन इसके बाद भी खरीदारी नहीं हो रही है।

कारोबार चौपट

सराफा कारोबारियों के मुताबिक सराफा का कारोबार तो अब पूरी तरह से चौपट ही हो गया है। आम खरीदारी सोने और चांदी के रोज बदलते दाम के कारण पहले ही कम हो गई है। अब तो चांदी का आयात बंद होने के बाद चांदी का आना भी बंद हो गया तो इसका कारोबार नहीं के बराबर हो रहा है। इसी के साथ सोने के जेवरों की खरीदारी भी नहीं के बराबर हो गई है। आम लोग जो पहले सोने और चांदी में निवेश करने के लिए सोना और चांदी खरीदते थे, उनकी खरीदारी पूरी तरह से बंद है। अब कोई भी इसमें निवेश नहीं करना चाहता है। बड़े निवेशकों ने भी निवेश लगभग बंद कर दिया है। निवेशकों में रोज कम होते दाम के कारण दहशत है। जिन कारोबारियों के यहां रोज एक करोड़ का कारोबार होता है, उनका रोज का कारोबार अब 20 लाख का भी नहीं हो रहा है। छोटे कारोबारियों को कई बार बोहनी के भी लाले पड़ रहे हैं।

चांदी 60 हजार सस्ती

चांदी पर बीते माह 16 मई से प्रतिबंध लगा है। इसके एक दिन पहले चांदी के दाम 287600 रुपए थे। चांदी कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि चांदी का आयात बंद होने से निवेशकों की चांदी बाहर आएगी तो दाम बढ़ेंगे। लेकिन दाम बढ़ने के स्थान पर कम हो गए हैं। इस समय चांदी के दाम 227400 रुपए हैं। यानी चांदी के दाम करीब 60 हजार रुपए कम हो गए हैं। इसी के साथ सोने के दाम भी कम ही हुए हैं। सोना एक माह पहले 166600 रुपए था, यह अब 147400 रुपए हो गया है।

खबर संक्षेप

कुशालपुर से 16 को निकलेगी रथयात्रा

रायपुर। पीयूष नगर, कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर में 16 जुलाई को महाप्रभु श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा निकलने से पहले रथमार्ग की साफ-सफाई की जा रही है। यह जानकारी पं.अरविंद अवस्थी ने देते हुए बताया कि इस यात्रा में आसपास के साथ विभिन्न जिलों से भी श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो श्रद्धालु ओडिशा की जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाते, वे यहां की रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य फल प्राप्त करते हैं।

सुभाष स्टेडियम की बिजली व्यवस्था सुधारने एक सप्ताह का समय

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने जोन 4 अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम की बिजली कटने की जानकारी पर दुकाने आबंटित करने वालों को विद्युत व्यवस्था सुधारने एक सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने, जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी को निर्देशित किया है कि नेताजी सुभाष स्टेडियम की दुकानों के आबंटितियों के दुकानों में विद्युत व्यय की गणना की कार्यवाही पारदर्शिता के साथ की जाए।

शाला प्रवेशोत्सव में छात्राओं को साइकिलें वितरित

रायपुर। शहर के भगवतीचरण शुक्ल वार्ड 57 अंतर्गत बैरन बाजार हिन्दू हाई स्कूल में विगत दिनों शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया, साथ ही सरस्वती योजना के तहत विद्यार्थियों को साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य एवं वार्ड 57 पार्षद अमर गिदवानी, पूर्व पार्षद एवं शाला विकास समिति अध्यक्ष हेमलता चंद्राकर उपस्थित रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए विशेष टीकाकरण सप्ताह आज से

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जिले में विशेष टीकाकरण सप्ताह मनाया जाएगा। 13 से 18 जुलाई के दौरान 14 साल की आयु पूरी करने वाली किशोरियों को यह वैक्सीन लगाया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर के हस्ताक्षरित निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास विभाग एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग जिला रायपुर को एचपीवी टीकाकरण के संबंध में स्वास्थ्य विभाग से सहयोग एवं समन्वय करने के निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि एचपीवी एक सामान्य वायरस है, जिसके कुछ प्रकार आगे चलकर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का कारण बन सकते हैं। यह कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, लेकिन समय पर टीकाकरण कराने से इसके जोखिम को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा

नवा रायपुर बनेगा पीपल सिटी, 70 हजार पौधे लगाए, 5 साल में एक लाख और लगेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि नवा रायपुर को पीपल सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर में पूर्व में लगाए गए लगभग 70 हजार पौधों के अतिरिक्त आगामी पांच वर्षों में एक लाख से अधिक पीपल के पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

श्री चौधरी ने यह बात राज्य में मानसून-2026 के दौरान औद्योगिक इकाईयों द्वारा संचालित वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान कही। रायपुर के बेबीलॉन कैपिटल में हुई उच्चस्तरीय बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाईयों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, आवास एवं पर्यावरण विभाग तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने भाग लिया।

वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने के लिए न हो

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का जीवित रहना सबसे महत्वपूर्ण है। सही समय पर, उपयुक्त प्रजाति के स्वस्थ पौधों का रोपण तथा उनकी नियमित देखभाल और सिंचाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने उद्योगों से पीपल, शिरीष, नीम, आम, कटहल सहित स्थानीय एवं दीर्घायु प्रजातियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' कार्यक्रम में मियावाकी पद्धति जैसी आधुनिक वृक्षारोपण तकनीकों का उल्लेख किया है और ऐसे नवाचारों को अपनाने से हरित आवरण तेजी से बढ़ाया जा सकता है।

उद्योग जुलाई तक वृक्षारोपण का लक्ष्य पूरा करें

मंत्री श्री चौधरी ने सभी उद्योगों से अपने परिसर तथा आसपास हरित वातावरण विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि 31 जुलाई तक वृक्षारोपण का निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जाए तथा 15 अगस्त तक गुणवत्तापूर्ण पौधरोपण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी तथा पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि अनिवार्य होगी।

पर्यावरणीय मानकों से समझौता नहीं

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्य सरकार निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, लेकिन पर्यावरणीय मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नवा रायपुर बर्ड आइलैंड हो रहा है विकसित

उन्होंने बताया कि नवा रायपुर की पहचान बन चुकी सेंध लेक का गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इससे लगभग 12 लाख घन मीटर अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता विकसित होगी तथा झील का क्षेत्रफल भी बढ़ेगा। झील के मध्य स्थित लगभग तीन एकड़ के द्वीप पर मियावाकी पद्धति से लगभग 25 हजार पौधे लगाए गए हैं, जिससे प्रवासी पक्षियों के लिए प्राकृतिक बर्ड आइलैंड (ईको-हब) विकसित किया जा रहा है। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अध्यक्ष अंकित आनंद ने कहा कि पिछले एक वर्ष में मंडल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक लगभग 22 लाख पौधों का रोपण किया जा चुका है, पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव राजू अगसिमनी ने उद्योगों को निर्देश दिए कि प्रत्येक हेक्टेयर में न्यूनतम 2,500 पौधे लगाए जाएं तथा त्रि-स्तरीय (थ्री-लेयर) पौधरोपण के माध्यम से सघन ग्रीन बेल्ट विकसित की जाए। बैठक में राज्य की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर स्तर के प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अकबर ने कहा- दस्तावेज पहले ही सार्वजनिक

नकटी प्रकरण में वनमंत्री केदार की चुनौती स्वीकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने नकटी प्रकरण में मंत्री केदार कश्यप द्वारा दी गई चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा, जो दस्तावेज सार्वजनिक करने की बात मंत्री कह रहे हैं, वे पहले ही सार्वजनिक हैं। एक बयान में उन्होंने कहा, यह सत्य है कि शासकीय दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि नकटी सहित सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौंदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि को नगर विकास योजना के नाम पर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तावित योजना में नकटी की भी कुछ जमीनों को शामिल किया गया है। जिसके बारे में सरकार को स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है कि इस योजना में वह विवादित जमीन तो शामिल नहीं है। वनमंत्री केदार कश्यप ने इस पर चुनौती देते हुए बयान दिया है कि मोहम्मद अकबर दस्तावेजों को सार्वजनिक करें।

■ 1076 एकड़ भूमि नगर विकास योजना के नाम पर निजी हाथों में बेचने की तैयारी

245 पेज की निविदा जारी

उन्होंने कहा, सभी दस्तावेज सार्वजनिक हैं। मैंने 11 जुलाई को ही इसे मीडिया के लिए जारी किया है। मंत्री की चुनौती का स्वागत है, लेकिन इसके पहले उन्हें संबंधित विभाग की निविदा पढ़ लेनी चाहिए थी। मेरे द्वारा जो कहा गया है, वह सरकार के दस्तावेज पर आधारित है, किसी अफवाह के आधार पर नहीं। मंत्री की जानकारी के लिए स्पष्ट किया जा रहा है कि निविदा सूचना 245 पृष्ठों की है। प्रथम पृष्ठ में नवा रायपुर अटल नगर के लेयर-2 में स्थित टाउन डेवलपमेंट स्कीम (टीडीएस) के लिए आधारभूत संरचना के विकास हेतु डेवलपर के चयन, जिसके बदले मिश्रित उपयोग की भूमि के विकास एवं विक्रय अधिकार प्रदान किए जाएंगे, लिखा है। निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई रखी गई है।

पंडरी में जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात करके रायपुर पंडरी स्थित पुराने बस स्टैंड में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनाने की मांग की है। इसके लिए मुख्यमंत्री को मांगपत्र भी दिया गया।

मुख्यमंत्री को दिए गए पत्र में 9 ठोस आधार बताते हुए कहा गया, पंडरी पुराना बस स्टैंड की भूमि पहले से शासकीय है। नया अधिग्रहण न होने से समय और करोड़ों रुपए दोनों बचेंगे। एनएच 30, जीई रोड और रिंगरोड-1 के जंक्शन पर होने से एयरपोर्ट 15 मिनट, रेलवे स्टेशन 10 मिनट और नवा रायपुर 25 मिनट में पहुंचा जा सकता है। पूरे छत्तीसगढ़ से ग्राहक 2 घंटे में यहां पहुंच सकेंगे। पत्र में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कहा गया कि खुला परिसर, चारों तरफ सड़क और पास में पुलिस कंट्रोल रूम होने से सीसीटीएनएस से सीधा कनेक्शन संभव है।

पीसीसी अध्यक्ष बैज का 3 साल का कार्यकाल पूरा

कहा- सरकार के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक लड़ी लड़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज का 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया है। तीन वर्ष के कार्यकाल को लेकर उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्षों में कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ आक्रामक तरीके से जनता के समस्याओं के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ी है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में संगठन के कार्यों में भी तेजी आई है। मंडल, पंचायत, बूथ कमेटी बनाई गई हैं। संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण कराया गया, आगे भी संगठन का कार्य सामूहिक नेतृत्व में किया जाएगा।

बिजली पर भाजपा की दोहरी नीति

उन्होंने बिजली कटौती और बिजली की दामों में वृद्धि को लेकर कहा, ढाई साल में पांच बार बिजली बिल बढ़ाया गया है। सरकार सोलर पैनल से मुफ्त बिजली देने की बात करती है, लेकिन सोलर पैनल से सस्ती बिजली खरीदकर महंगे दामों पर बेच रही है। यह भाजपा सरकार की दोहरी नीति है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रदर्शन

अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मुद्दे पर दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस सोमवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस चढ़ावा चोरों को बेनकाब करेगी।

वन्यजीवों की तस्करी, मानव-हाथी द्वंद्व रोकने यूएसटीआर में लगाए जाएंगे एआई पीटूपी कैमरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वन्यजीव संरक्षण एवं वन सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तकनीकी पहल करते हुए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में एआई आधारित स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम का ट्रायल प्रारंभ किया गया है। यूएसटीआर जैसे संवेदनशील वनक्षेत्र में पाइंट-टू-पाइंट (पीटूपी) मॉड्यूल कैमरे लगाए जा रहे हैं। पीटूपी कैमरे लगाने 70 से 80 फीट ऊंचे टॉवर लगाए जाएंगे। ट्रॉली कैमरों का उपयोग कर टाइगर रिजर्व के दूरस्थ एवं दुर्गम वनक्षेत्रों में वन्यजीवों की गतिविधियों तथा अवैध गतिविधियों की रीयल टाइम निगरानी की जाएगी। प्रारंभिक चरण में पीटूपी कैमरे ओडिशा सीमा से लगे इंदागांव, रिसगांव, दक्षिण उदंती तथा पायलिखंड उत्तर उदंती रेंज में लगाए जा रहे हैं। यह घना वनक्षेत्र हाथियों सहित अन्य वन्यजीवों का महत्वपूर्ण कॉरिडोर है।

हरिभूमि सरोकार

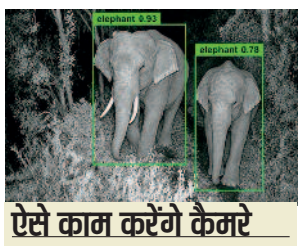

ऐसे काम करेंगे कैमरे

यह तकनीक केंद्रीय सर्वर की आवश्यकता को कम करती है, जिससे सुरक्षा प्रणालियां अधिक तेज, सुरक्षित और विकेंद्रीकृत हो जाती हैं। पारंपरिक क्लाइंट-सर्वर मॉडल के विपरीत, पीटूपी कैमरे और देखने वाले उपकरण, जैसे स्मार्टफोन या पीसी के बीच सीधा कनेक्शन स्थापित करता है। इसमें वीडियो फीड को क्लाउड या सेंट्रलाइज्ड सर्वर पर लगातार अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होती।

किसी भी हलचल की रीयल टाइम मिलेगी जानकारी

किसी वन्यजीव अथवा संदिग्ध व्यक्ति की पहचान होने पर पीटूपी कैमरा तत्काल वाट्स एप मैसेज के माध्यम से फ्रंटलाइन वन कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सूचना प्रेषित करेगा, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। पीटूपी वायरलेस संचार तकनीक (मैश-नेटवर्क) के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। इससे घने जंगल, पहाड़ी क्षेत्रों में भी निर्बाध वीडियो स्ट्रीमिंग एवं रीयल टाइम निगरानी संभव होगी, जहां इंटरनेट नेटवर्क उपलब्ध नहीं है, वहां इसके लिए मैनपुर में उपलब्ध फोर-जी, फाइव-जी को 15-20 किलोमीटर दूरी पर स्थित एंटी पोचिंग कैंप, चौकियों तक पहुंचाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बिजली के बढ़ते दाम और बिजली बिल को लेकर कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

पूर्व विधायक उपाध्याय की अनोखी प्रार्थना- हे ट्रांसफार्मर और मीटर देव, बिजली बिल कम कर दो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में अघोषित बिजली कटौती, बढ़ते बिजली बिल और लो-वोल्टेज की समस्या को लेकर कांग्रेस ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय की अगवाई में कार्यकर्ताओं ने ट्रांसफार्मर और बिजली मीटर की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सरकार को निशाने पर लिया। प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने महंगी बिजली और लगातार हो रही कटौती के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चिंताहरण हनुमान मंदिर चौबे कॉलोनी में पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच ट्रांसफार्मर और बिजली मीटर की पूजा की। ट्रांसफार्मर पर तिलक लगाया गया, स्वास्तिक बनाया गया, अगरबत्ती जलाई गई और आरती उतारी गई। इसके बाद इसी तरह बिजली मीटर की भी पूजा की गई। कार्यकर्ताओं ने हाथ जोड़कर बिजली बिल कम आने और अघोषित बिजली कटौती खत्म होने की प्रार्थना की। कार्यकर्ताओं ने बिजली बिल कम करने और बिजली संकट दूर करने की मांग वाली तख्तियां भी हाथों में थाम रखी थीं।

अब भगवान ही करें चमत्कार

कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने कहा कि बिजली की समस्याओं को लेकर लगातार आंदोलन करने के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया। इसलिए भारतीय परंपरा के अनुसार भगवान से प्रार्थना कर यह अनोखा प्रदर्शन किया गया, ताकि बिजली के दाम कम हों, अघोषित कटौती रुके और आम जनता को राहत मिल सके। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन के जरिए सरकार पर बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए।

सोलर पैनल की बिजली 1.80 रुपए में खरीद रही सरकार

उन्होंने कहा, सोलर पैनल के माध्यम से अधिक बिजली उत्पादन पर बिजली सरकार द्वारा क्रय की जाएगी। जनता को सरकार 4 से 8 रुपए प्रति यूनिट की दर से चार्ज कर रही है। सोलर पैनल से उत्पादन बिजली की लगभग 1.80 रुपए यूनिट की दर से खरीदी जा रही है। ये तो सीधे-सीधे जनता को छलने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है।

पुलिस की जांच अधूरी, एफडीए को सैंपल रिपोर्ट और नोटिस के जवाब का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एक्सपायरी मिल्क पावडर की वजह से नवजात की मौत के मामले में पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई है। शिकायत के आठ दिन बीतने के बाद भी मौदहापारा पुलिस की जांच अधूरी है, वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को मिल्क पावडर और दवा दुकान संचालक को भेजे गए नोटिस के जवाब का इंतजार है।

दलदल सिवनी में रहने वाली चंद्रशेखर कन्नौजे ने आरोप लगाया था कि आंबेडकर अस्पताल में जन्मे उसके बच्चे की मृत्यु मिल्क पावडर पीने की वजह से हो गई थी। उसका यह आरोप भी था कि आंबेडकर अस्पताल कैंपस के बाहर स्थित लक्ष्मी मेडिकल हॉल से उसने मिल्क पावडर खरीदा था, जो एक्सपायरी डेट का था। मौदहापारा थाने की पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपनी जांच शुरू की, जो आठ दिन बीतने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। जांच टीम घटना के दो दिन बाद दवा दुकान पहुंची। इस दौरान वहां के कर्मचारियों से पूछताछ के बाद उन्होंने उस दिन के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए थे। पुलिस के साथ पहुंची खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने वहां एक्सपायरी उत्पादों की जांच की और मौजूद मिल्क पावडर के सैंपल लिए थे। जांच के बाद टीम लौट आई और उसके बाद आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई। मौदहापारा पुलिस का कहना है कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है। वहीं एफडीए की टीम का तर्क है कि मामले में कार्रवाई मिल्क पावडर की रिपोर्ट सामने आने के बाद की जाएगी। वहां औषधि विभाग की टीम ने इतने बड़े मेडिकल स्टोर्स में फार्मासिस्ट नहीं होने के मामले में दवा दुकान संचालक को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मामला एक्सपायरी मिल्क पावडर और नवजात की मौत का

मिल्क पावडर का डिब्बा गायब?

जिस मिल्क पावडर के एक्सपायरी होने का आरोप लगाया गया था, वह गायब हो चुका है। घटना के दौरान यह जिक्र आया था कि प्रार्थी अपनी शिकायत लेकर दवा दुकान गया तो जहां मौजूद कर्मचारी ने उससे डिब्बा ले लिया। जांच टीम दवा दुकान पहुंची तो इस मिल्क पावडर का डिब्बा ही नहीं मिला। इस मामले में किसी तरह की पूछताछ भी नहीं की गई।

भाठागांव से फिर लिया पनीर का सैंपल

भाठागांव के एक डेयरी प्रोडक्ट संस्थान से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पुनः एनॉलॉग पनीर का सैंपल उठाया है। अधिकारियों के मुताबिक एक राजनीतिक दल से जुड़े लोगों ने पनीर के नकली होने के संदेह में वहां विरोध-प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस की टीम भी वहां पहुंची थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि संबंधित कंपनी के पास एनालॉग पनीर बनाने का लायसेंस है।

खबर संक्षेप

वकीलों की पहल और समझाइश से फिर एक हुआ बिखरा परिवार

रायपुर। कुटुंब न्यायालय रायपुर में लंबे समय से चल रहे एक पारिवारिक विवाद का सुखद अंत दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की सकारात्मक पहल और समझाइश से हो गया। वर्ष 2024 से घरेलू विवाद के कारण अलग-अलग रह रहे पति-पत्नी ने अपने तीन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया। प्रकरण प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय रायपुर विवेक तिवारी की अदालत में प्रकरण क्रमांक एमसीसी /40/25 के रूप में लंबित था। आवेदिका पत्नी ने अपने तथा अपने तीन बच्चों के भरण-पोषण के लिए धारा 144, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के अंतर्गत प्रति माह 25,000 भरण-पोषण की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले में आवेदिका की ओर से अधिवक्ता विजयलक्ष्मी वर्मा तथा अनावेदक की ओर से अधिवक्ता भगवानू नायक, उर्वशी घोषपाल एवं पारसमणि नायक पैरवी कर रहे थे। इस अवसर पर अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, पक्षकारों के चेहरे की खुशी ही हमारी सबसे बड़ी जीत है। इस प्रकरण में किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की जीत हुई है। न्याय का वास्तविक उद्देश्य रिश्तों को बचाना और समाज में सौहार्द्र स्थापित करना भी है। कोर्ट में विवाद लेकर पहुंचे पति-पत्नी जब मुस्कुराते हुए साथ लौटे तो यह दृश्य न्याय व्यवस्था और अधिवक्ताओं की संवेदनशील भूमिका का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

दो दिवसीय जसगीत और झांकी प्रतियोगिता 18 से

रायपुर। जय मां चण्डी सेवा एवं फाग मंडली द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 भाठागांव श्रीराम चौक, साहूपारा में शांति हवन एवं जंवारा विसर्जन के अवसर पर 16 जुलाई को धार्मिक आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में दो दिवसीय 18 से 19 जुलाई तक राज्य स्तरीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय मनमोहंद रखा गया है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर की जस मंडलियां एवं कलाकार पुरुष वर्ग, महिला वर्ग तथा झांकी वर्ग में अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क 151 निर्धारित किया गया है। इस आयोजन को सफल बनाने में अनित साहू, एमसा साहू, पुन्नू साहू, लच्छू साहू, लाला साहू, नारायण साहू, गोलू साहू, ईश्वर साहू, मुकेश साहू, मनोज साहू, अजय साहू, रोहित साहू आदि लगे हुए हैं।

बीएचएमएस की परीक्षा में नेहा को प्रथम स्थान

रायपुर। रायपुर होम्योपैथिक

मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की मेधावी छात्रा कु. नेहा भोई ने बीएचएमएस चतुर्थ वर्ष की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ का पं. दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षा में भी संपूर्ण विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान (मेरिट) प्राप्त कर महाविद्यालय, अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि कुमारी नेहा भोई की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके समर्पण, कठिन परिश्रम एवं अनुशासित अध्ययन का परिणाम है। उनकी उपलब्धि से महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा में और वृद्धि हुई है। वे डॉ. निर्मल भोई की पुत्री हैं।

खंडहर और मलबे के ढेर में संस्थान को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना

85 करोड़ मिलने के बावजूद नहीं सुधरी सिकलसेल इंस्टीट्यूट की सेहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आधुनिक सुविधा जुटाने 85 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति के बाद भी सालों से बीमार राज्य के सिकलसेल इंस्टीट्यूट की सेहत सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। ब्लड ट्रांसफ्यूजन, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और आधुनिक लैब की सुविधा वाले संस्थान को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना खंडहर और मलबे के ढेर में फंसी हुई है। हालत यह है कि मेडिकल कालेज के भवन में सिकलसेल के मरीजों को केवल ओपीडी और दवा वितरण के भरोसे रखा गया है।

सिकलसेल प्रभावित मरीजों की पहचान के लिए स्क्रीनिंग और निशुल्क दवा का वितरण प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में किया जाता है और इसी तरह की स्थिति जेएनएम मेडिकल कालेज में मिले उधार के भवन में संचालित सिकलसेल इंस्टीट्यूट की है। यहां आने वाले मरीजों की जांच के बाद उन्हें जरूरी दवा का वितरण किया जा रहा है। इसकी एकमात्र वजह विभागीय उदासीनता है, क्योंकि राज्य के सिकलसेल संस्थान के पास अभी तक अपना पृथक भवन नहीं है। करीब 13 साल पहले राजधानी में उच्चस्तरीय सुविधा वाले सिकलसेल संस्थान, जिसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना बनाई गई थी, काम रफ्तार पकड़ता, इससे पहले यह विवाद में फंस गया। भवन बनाने का नक्शा बनता और बिगड़ता चला गया। सिकलसेल मरीज आधी-अधूरी योजना के भरोसे रह गए। भाजपा सरकार ने इनकी सुध ली और मई महीने में भवन निर्माण के लिए 85 करोड़ की वित्तीय मंजूरी दी, जिसके दो माह बीतने के बाद भी काम धेलाभर आगे नहीं बढ़ पाया है। यहां खंडहर बन चुके पुराने भवन प्रस्तावित स्थल पर सर्वसुविधायुक्त बिल्डिंग बनाने खोदे गए बड़े गड्ढों से निकले मलबे के नीचे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की योजना दम तोड़ती नजर आ रही है।

ब्लड ट्रांसफ्यूजन,बोन मैरो ट्रांसप्लांट उच्चस्तरीय आधुनिक लैब बनाने की है योजना

योजना का खाका

- प्रदेश में 3.35 लाख से ज्यादा सिकलेसल वाहक
- मध्य एशिया का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना
- संस्थान के माध्यम से सिकलसेल मरीजों पर स्टडी और रिसर्च
- स्टेमसेल थैरेपी के माध्यम से सिकलसेल प्रभावितों का इलाज
- जांच, जरूरी उपचार सहित तमाम सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क

काम से पहले हो गया था भुगतान

सिकलसेल संस्थान बनाने शुरुआती योजना के दौरान ही गड़बड़ी के मामले सामने आने लगे थे। यहां बनने वाले अत्याधुनिक सुविधा वाले लैब की बिना स्वीकृति के भुगतान कर दिया गया था। इसके बाद बिना टेंडर के यहां करीब दो करोड़ के काम को मंजूरी दे दी गई। इसके बाद भवन बनाने के लिए तैयार ड्राइंग-डिजाइन में दो से तीन बार उच्चस्तर पर तब्दीली की गई और समय बीतता चला गया।

बनानी है वर्टिकल बिल्डिंग

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई मंजूरी के बाद उपलब्ध जमीन को कम मानते हुए पुरानी डिजाइन को 85 करोड़ की बजट स्वीकृति के साथ बदला गया है। उच्चस्तरीय आधुनिक लैब, नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग, जेनेटिक काउंसिलिंग और गंभीर मरीजों के लिए कम खर्च में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने के साथ वर्टिकल बिल्डिंग (मल्टीस्टोरी) बनाने की योजना को मंजूरी दी गई। दो महीने बीतने के बाद भी इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है।

शून्य जैसी रही वर्षा की गतिविधि तापमान के साथ तेज हो गई गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटे में वर्षा की गतिविधि शून्य जैसी रही। बरसात थमने की वजह से तापमान के साथ अब गर्मी भी बढ़ने लगी है। राजधानी का तापमान 35 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। बादल छंटने की वजह से धूप की तपिश भी महसूस होती रही। राज्य में अगले एक-दो दिनों में बारिश की गतिविधि में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

प्रदेश में एक बार फिर अच्छी बारिश का इंतजार होने लगा है। मानसून के कमजोर होने की वजह से राज्य में कमी का अंतर बढ़कर 24 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। पिछले चौबीस घंटे में मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक खरोरा में 1 सेमी., अंबिकापुर में 2.9 मिमी. वर्षा दर्ज की गई। मानसून की गतिविधि पर ब्रेक लगने की वजह से गर्मी अपना असर दिखा रही है। वातावरण में अभी 65 प्रतिशत नमी मौजूद है, जिसके कारण चिपचिपापन बढ़ा हुआ है। रविवार को राजधानी में धूप ने अपना असर दिखाया और असहजता बनी रही। मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक, अगले चौबीस घंटे में मौसम में हल्का बदलाव हो सकता है। इसके बाद आने वाले दिनों में वर्षा की गतिविधि में बढ़ोतरी हो सकती है। रविवार को राज्य में सबसे अधिक 35.6 डिग्री तापमान पेंड्रा का दर्ज किया गया।

सीएम साय ने लिया संज्ञान, 24 घंटे में मिली ट्राइसिकिल

रायपुर। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम कमोसिनडांड निवासी जन्म से दिव्यांग गणेश राम यादव के संघर्षपूर्ण जीवन को लेकर प्रकाशित एक

मार्मिक समाचार पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को बिना किसी विलंब के शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग ने अभूतपूर्व तत्परता दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर गणेश राम यादव के लिए ट्राइसिकिल उपलब्ध करा दी। यह पूरी प्रक्रिया रविवार के शासकीय अवकाश के दिन भी पूरी की गई। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। विभागीय अधिकारियों की टीम जनपद पंचायत धरमजयगढ़ पहुंची और वहां से ट्राइसिकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की गई।

गले की फांस बना बांग्लादेश का विमान, न वापसी संभव न ही नीलामी का नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आपात स्थिति में 11 साल पहले स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर उतरा बांग्लादेश का एयरक्रॉफ्ट गले की फांस बन गया है।

- इमरजेंसी लैंडिंग के बाद 11 साल से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर खड़ा है विमान

इसकी वापसी अब संभव नहीं, वहीं इसके डिस्पोज (नीलामी) के लिए कोई नियम नहीं है। एयरपोर्ट अथॉरिटी विमान से संबंधित दावा-आपत्ति के लिए ढाका में इश्तिहार भी प्रकाशित करा चुकी है, मगर किसी तरह का रिस्पांस वहां से नहीं मिला है। यह एयरक्रॉफ्ट 11 साल पहले ढाका से मस्कट जाने के दौरान खराबी आने पर रायपुर में लैंड हुआ था।

विमानतल के एक कोने में खड़े इस एयरक्रॉफ्ट की तरफ आवाजाही की मनाही है, मगर परिंदों का वहां डेरा है। विमानतल प्रबंधन से जुड़े अधिकारिक स्तर के सूत्रों का कहना है कि भले ही एयरक्रॉफ्ट 11 साल से खड़ा हो, मगर उसका भीतरी हिस्सा काफी अच्छा है। इसका उपयोग एयरपोर्ट आने वाले विजिटर, स्कूली बच्चों के लिए किया जा सकता है। हालांकि इस पर किसी तरह का फैसला केंद्रीय स्तर के अधिकारी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि फ्लाइट का पार्किंग किराया वसूलने के लिए इसकी वापसी फिर नीलामी की योजना बनाई गई, मगर इस पर कोई अंतिम निर्णय हो पाना संभव नहीं है।

वापसी के लिए बांग्लादेश की संबंधित एयरवेज कंपनी (जो अब बंद हो चुकी) को पूर्व में कई बार ई-मेल भेजे जा चुके हैं, मगर उनकी ओर से किसी तरह का जवाब नहीं आया। विधि विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा के बाद यह बात सामने आई कि दूसरे देश से आए विमानों की नीलामी के लिए किसी तरह का नियम ही नहीं बना है। जानकारों का कहना है कि इस विमान को उपयोग किस तरह किया जाए, इस पर विचार-मंथन का दौर जारी है।

7 अगस्त को उतरा था विमान

यह एयरक्रॉफ्ट ढाका से करीब ढाई सौ यात्रियों को लेकर मस्कट जा रहा था। रास्ते में अचानक इंजन में खराबी आ गई और इसमें आग लग गई थी। रायपुर को करीबी एयरपोर्ट मानते हुए उसकी यहां आपात लैंडिंग कराई गई थी। इस दौरान विमान का एक हिस्सा टूटकर खेत में गिर गया था। इसमें सवार यात्री दूसरे दिन भेजे गए अन्य एयरक्रॉफ्ट से वापस लौट गए, मगर यह विमान राजधानी के एयरपोर्ट पर ही खड़ा रह गया।

रनवे से दूर, इसलिए जोखिम नहीं

काफी समय तक रनवे के समीप खड़ी इस फ्लाइट को बाद में खींचकर ऑपरेशनल एरिया से काफी दूर खड़ा कर दिया गया। विमान में डेरा जमाने वाले पक्षियों की उड़ान का आवाजाही करने वाले विमानों पर असर नहीं पड़ता। शुरुआती दिनों में इसके लिए बनाया गया सुरक्षा घेरा हटा लिया गया। काफी कोशिशों के बाद इंजन की मरम्मत हुई और उसकी वापसी पर चर्चा शुरू हुई थी। वापसी सफल नहीं हुई और विमान की पार्किंग का किराया करोड़ों तक पहुंच गया।

बिजनेस साइट

सीबीओए के महासचिव रवि कुमार का दो दिवसीय रायपुर दौरा

रायपुर। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (सीबीओए) के बीके उपाध्याय रायपुर मंडल के मंडल को-ऑर्डिनेटिंग ऑफिसर (सीसीओ) ने बताया कि अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) नवंबर 2027 के आगामी वेतन समझौते के लिए तैयार किए जाने वाले चार्टर ऑफ डिमांड्स को भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए गठित समिति में सीबीओए के महासचिव के. रवि कुमार को सह-अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि के. रवि कुमार 13 एवं 14 जुलाई को दो दिवसीय रायपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे और विभिन्न बैंकों के अधिकारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा करेंगे। साथ ही आगामी वेतन समझौते से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बीके उपाध्याय ने कहा कि समिति में के. रवि कुमार की नियुक्ति पूरे बैंकिंग अधिकारी वर्ग के लिए सम्मान और गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व बैंक अधिकारियों के हितों की प्रभावी पैरवी होगी तथा आगामी वेतन समझौते में कर्मचारियों और अधिकारियों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने की पहल की है।

- कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के आसार

स्ट्रीट नंबरों के बाद अब विप्रनगर में पौधारोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विप्रनगर रायपुरा में रविवार को दो और सड़कों पर नंबरों के बोर्ड लगाने के साथ ही इस पर अब थोड़ा विराम लगाने का फैसला लिया गया। स्ट्रीट नंबरों के बाद अब हरियाली का रास्ता चुना गया। पौधरोपण के लिए समिति अभियान चलाएगी। रविवार सुबह सेंट्रल रोड के ब्लाक ए के ए-10 और ब्लाक बी के बी-13 मार्ग पर बोर्ड लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विप्र समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा मौजूद थे। उनके द्वारा विप्रनगर के बोर्डों की स्थापना की गई। समिति सदस्यों ने श्री मिश्रा का आत्मीय स्वागत किया। श्री मिश्रा ने यहां के रहवासियों से कहा कि विप्रनगर के विकास के लिए वे स्वयं छत्तीसगढ़ शासन से अनुरोध कर हरसंभव प्रयास करेंगे, उन्होंने ये भी कहा कि समाज कोई भी हो, हर अच्छा इंसान विप्र है। इस कार्यक्रम में शिवेशधर दीवान, जेआर शर्मा, बीके शुक्ला, टीके श्रीवास,, प्रदीप नन्दनवान, संजय सजदेव, अरविंदधर दीवान, नरोत्तम लाल साहू, जयदीप मोहंती ,सचिन बिसेन, नितिश शर्मा, डालेंद्र बापुरे, स्वराज्य प्रधान, प्रशांत धीवर, शेखर साहू, सुनीता शर्मा,अंजिता देशमुख, अंजू शुक्ला, रानू, शालिनी साहू,राखी अवस्थी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मेयर ने दिया मदद का भरोसा

महापौर मीनल चौबे ने समिति सदस्य को फोन कर जनसहयोग के ऐसे कदमों को सराहा है तथा विप्रनगर के रहवासियों को बधाई दी है। उन्होंने विप्रनगर के विकास के लिए हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

दिवंगत लोकगायिका को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सांसद-मंत्री

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने रविवार को भिलाई के ग्राम गनियारी स्थित पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई के निवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नेताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत लोककला साधिका को नमन किया तथा शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और पंडवानी कला को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी दिवंगत तीजन बाई को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी असाधारण प्रतिभा, संघर्ष और समर्पण से छत्तीसगढ़ का गौरव पूरी दुनिया में बढ़ाया। उनकी कला ने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। उनका निधन कला जगत और पूरे प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है।

टेऊंराम चालीसा महोत्सव : भजन कीर्तन से आश्रम हो उठा भक्तिमय

रायपुर। देवशयनी एकादशी के अवसर पर शैलेंद्र नगर स्थित साईं प्रेमप्रकाश आश्रम में आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज के 140 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 8 जुलाई से टेऊँराम चालीसा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 20 जुलाई तक जारी रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भजन, कीर्तन एवं टेऊंराम चालीसा पाठ के वातावरण में पूरा आश्रम भक्तिमय हो उठा। इस कार्यक्रम में कानपुर से पधारे भोलाराम साईं ने श्रद्धालुओं को अपने अमृतमय सत्संग से भावविभोर कर दिया। उन्होंने अपने सत्संग में देवशयनी एकादशी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तिथि सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं तथा यहीं से चातुर्मास का शुभारंभ होता है। यह अवधि साधना, भक्ति, सेवा, संयम और आत्मचिंतन का विशेष काल मानी जाती है। श्री साईं ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना को बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सत्संग मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है तथा उसे आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने सभी को नियमित रूप से प्रभु नाम का स्मरण करने, सत्संग में भाग लेने और जरूरतमंदों की सेवा करने का आह्वान किया।

पेज 09 के शेष ...

एसआई-सूबेदार परीक्षा ...

अनुसार, सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के पैटर्न में बदलाव देखा गया और पिछली परीक्षाओं की तुलना में यह कठिन रहा। इस कारण इस बार कटऑफ कम जाने की आशंका है। राजधानी में इस परीक्षा के लिए 22 केंद्र बनाए गए थे। इसके लिए 8,597 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से 7,571 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे।

रायपुर जिले में उपस्थिति 88.07 प्रतिशत रही। नए नियमों के मुताबिक सभी परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग और फेस ऑथेंटिकेशन किया गया। उड़नदस्ते की विशेष टीम भी निरीक्षण के लिए बनाई गई थी। परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। गौरतलब है, राज्य भर से 1 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने इसकी प्रारंभिक लिखित परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। यह परीक्षा चयन प्रक्रिया का दूसरा चरण है। इसमें केवल वही अभ्यर्थी शामिल हुए, जिन्होंने शारीरिक माप परीक्षण और शारीरिक मानक परीक्षण उत्तीर्ण किया है।

सात सड़कें, 17 झंझट...

का काम धरातल पर नजर नहीं आ रहा है। महापौर मीनल चौबे ने इस बार के अपने निगम बजट में शहर के सात मार्गों के निर्माण और चौड़ीकरण के लिए 127 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान रखा है।

मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत इसमें काम होना है। इससे आने वाले दिनों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा, साथ ही वैकल्पिक मार्ग विकसित होंगे। प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। जिन क्षेत्रों में ये कार्य होने हैं, वहां बीते कुछ वर्षों से तेजी से आबादी में बढ़ोतरी हुई है और यातायात पर दबाव बढ़ा है, जिससे आवाजाही प्रभावित हो रही है।

तात्यापारा से शारदा ...

नहीं हो पाया है। यह निर्माण नगर निगम करेगा या लोक निर्माण विभाग, दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। नगर निगम द्वारा साल 2024-25 में कराए गए सर्वे के अनुसार परियोजना के जद में 102 मकान व दुकानें आ रहे हैं। मुआवजा राशि के लिए 122 करोड़ का अनुमान लगाया गया था, लेकिन नई गाइडलाइन दरों के कारण यह लागत और बढ़ सकती है। कुल मिलाकर ट्रैफिक जाम की समस्या जस के तस बनी हुई है।

नाले पर बनाए अवैध. ..

सफाई कराई। नाला सफाई में बाधा आने से इस क्षेत्र में जलभराव की शिकायत लोगों ने की थी। इस पर संज्ञान लेते हुए अवैध पाटे हटाने की कार्रवाई जोन-9 कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देशन एवं कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे की उपस्थिति में की गई। नाले पर निर्मित अवैध पाटे हटाने से गंदे पानी की निकासी सुगम हो गई। अब वहां बारिश के सीजन में जलभराव की समस्या नहीं होगी। इसी तरह नगर निगम जोन-10 क्षेत्र के बाबू जगजीवनराम वार्ड में डूमरतराई श्मशानघाट सहित आसपास के क्षेत्रों में आज जनता को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने श्मशानघाट से पोकलेन मशीन लगाकर कच्चा नाला खोदकर जल निकासी की व्यवस्था की गई। नगर निगम जोन-10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा की उपस्थिति में कच्चा नाला खोदने की व्यवस्था बनाई गई।

नेटवर्क खड़ा करने ...

तीन लोगों को संदिग्ध रूप से दोपहिया वाहन में देख उनकी घेराबंदी की, तब तीनों पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश करने लगे। मौके पर उपस्थित अन्य पुलिसकर्मियों ने तीनों को पकड़कर गाड़ी की तलाशी ली तो गाड़ी की डिक्की में गांजा मिला।

खबर संक्षेप

कांग्रेस की दोहरी रणनीति पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

धरसींवा। धरसींवा में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया है। भाजपा धरसींवा मंडल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को सड़कों पर उतरकर तीखा विरोध प्रदर्शन किया और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं ने विश्राम गृह से लेकर मुख्य चौक तक विशाल रैली निकाली और कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पूरे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा सियासी वार करते हुए उन पर जनता के बीच झूठ और भ्रम फैलाने का गंभीर आरोप लगाया। मीडिया से बाते करते हुए मंडल अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में सेरीखेड़ी में लगभग 149 गरीब परिवारों को बिना किसी ठोस पुनर्वास योजना के बेरहमी से उजाड़ दिया गया था ताकि वहां अधिकारियों के लिए कॉलोनी बसाई जा सके। अब कांग्रेस घड़ियाली आंसू बहा रही है।

गातापार बड़े नहर के पास दो युवकों से मोबाइल और 30 हजार की लूट

अभनपुर। अभनपुर-राजिम मार्ग पर गातापार बड़े नहर के पास चाकू की नोक पर दो युवकों से मोबाइल फोन और नकदी लगभग 30 हजार लूटे जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गरियाबंद जिले के ग्राम कुरूद निवासी नारायण साहू एवं उनके साथी गोपीचंद साहू 6 जुलाई की रात रायपुर से अपने गांव मोटरसाइकिल से लौट रहे थे रात करीब 9 बजे जब वे अभनपुर-राजिम रोड स्थित गातापार बड़े नहर के पास पहुंचे, तभी सड़क किनारे खड़े तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया और चाकू दिखाकर नारायण साहू तथा गोपीचंद साहू का मोबाइल छीन लिया। इसके बाद नारायण की शर्ट की जेब में रखे 15 हजार और गोपीचंद के पास रखे 14 हजार 500 रुपये भी निकाल लिए। घटना के बाद आरोपी काले रंग की एक्टिवा से अभनपुर की ओर भाग निकले। पीड़ितों ने बताया कि कुछ दूरी पर एक मोटरसाइकिल पर दो अन्य युवक भी खड़े थे। सभी आरोपियों की उम्र लगभग 19 से 20 वर्ष बताई गई है। पीड़ितों का कहना है कि कद-काठी के आधार पर वे आरोपियों की पहचान कर सकते हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस 3(5), 304 के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

निधन

बंसीलाल राठी

अभनपुर। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी बंसीलाल राठी (86) का निधन 12 जुलाई की सुबह लगभग 11 बजे हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।उनके अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वे नगर के व्यवसायी राजेश राठी एवं संजय राठी के पिता तथा रानूलाल राठी एवं वरुण राठी के बड़े पिता थे।

गंगरेल जलाशय का अतिरिक्त पानी महानदी मुख्य नहर में छोड़ने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

गंगरेल बांध (रविशंकर शुक्ल जलाशय, धमतरी) में जलभराव लगभग 75 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है, ऐसे में बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। सामान्यतः जलभराव बढ़ने पर सिंचाई विभाग अतिरिक्त पानी को महानदी में छोड़ देता है।इधर आरंग क्षेत्र के कृषि जानकार किसानों ने इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग उठाई है।

आरंग के किसानों ने सिंचाई व्यवस्था मजबूत करने का दिया सुझाव

फाईल फोटो

किसानों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा

किसानों का मानना है कि यदि समय रहते नहरों के जरिए तालाबों का भराव किया जाए तो खेतों में नमी बनी रहेगी और खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। इससे धान की खेती करने वाले किसानों को आगे के सीजन में सिंचाई संबंधी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि मानसून के दौरान उपलब्ध अतिरिक्त जल का वैज्ञानिक एवं योजनाबद्ध उपयोग किया जाए तो जल संरक्षण के साथ-साथ सिंचाई क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इससे आरंग क्षेत्र के किसानों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

किसानों का कहना है कि अतिरिक्त पानी सीधे महानदी में बहाने के बजाय उसे महानदी मुख्य नहर में छोड़ा जाए, ताकि नहरों के माध्यम से क्षेत्र के तालाबों को भरा जा सके और खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंच सके।

किसानों ने सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि बारिश के दौरान गंगरेल बांध से छोड़े जाने वाले अतिरिक्त पानी का अधिकतम उपयोग सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने में किया जाए, ताकि इसका सीधा लाभ क्षेत्र के हजारों किसानों तक पहुंच सके।

भविष्य निधि लाभ और चिकित्सकीय सुविधा से श्रमिक परिवार वंचित

धरसींवा के संयंत्रों में श्रम कानूनों की उपेक्षा से मजदूरों का शोषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

रायपुर जिले के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र धरसींवा और इसके आस-पास संचालित उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों का जमकर शोषण हो रहा है। क्षेत्र के नामचीन और बड़े उद्योगों से लेकर छोटे-छोटे कारखानों तक में श्रम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां काम करने वाले सैकड़ों मजदूरों को न तो भविष्य निधि का लाभ मिल रहा है और न ही कर्मचारी राज्य बीमा जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं।

हादसे के बाद बेसहारा हो जाते हैं मजदूर : इस लापरवाही का सबसे दर्दनाक पहलू तब सामने आता है जब किसी मजदूर के साथ कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है या किसी की मौत हो जाती है। चूंकि मजदूरों का पीएफ या ईएसआई रिकॉर्ड ही नहीं होता, इसलिए हादसे के बाद उनके परिवारों को मुआवजा दिलाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उद्योग प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ लेता है। सूत्रों का कहना है कि यह पूरा खेल कुछ रसूखदार नेताओं की छत्रछाया में फल-फूल रहा है।

सतर्कता समिति ने पकड़ी खामियां

हाल ही में ब्लॉक श्रम सतर्कता समिति की टीम ने क्षेत्र के कई उद्योगों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने केवल प्रबंधन के कागजों पर भरोसा न करते हुए, सीधे वहां काम करने वाले मजदूरों से बात की और जमीनी हकीकत का पता लगाया। मजदूरों से चर्चा के दौरान टीम ने अपने स्तर पर जो जानकारियां निकालीं, वे बेहद चौंकाने वाली थीं। जांच में भारी खामियां और गड़बड़ियां देखने को मिलीं। समिति के सामने यह बात आई कि फैक्ट्रियों में न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं और न ही श्रम कानूनों का पालन हो रहा है। स्थिति यह हो चुकी है कि मजदूर आज के दौर में भी बंधुआ मजदूर की तरह काम करने को मजबूर हैं। कम मजदूरी में ज्यादा घंटे काम कराना और विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी देना आम बात हो चुकी है।

सिर्फ गेट पर हाजिरी, कागजों में गायब मजदूर

मजदूरो से बातचीत व गोपनीय निरीक्षण में यह बात सामने आई है कि कई उद्योगों में मजदूरों की उपस्थिति दर्ज करने का खेल सिर्फ फैक्ट्री के मुख्य गेट तक ही सीमित है। गेट पर हाजिरी लगाने के बाद अंदर मजदूरों से किस हाल में काम लिया जा रहा है, इसका कोई सही रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। उद्योगों की इस मनमानी के कारण श्रम विभाग और लेबर विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। दोनों विभागों की लगातार बनी हुई उदासीनता और लापरवाही ही इस शोषण का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरी है।

नौ साल से नहीं पड़ी कोई रेड, विभाग के दावों से खुली पोल

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा खुद श्रम विभाग के दावों से होता है। एक श्रम कर्मी ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि सन 2017 से लेकर अब तक, यानी पिछले लगभग नौ सालों में विभाग द्वारा किसी भी उद्योग में किसी तरह की विशेष छापा मार कार्यवाही या बड़ी चेकिंग नहीं की गई है। विभागीय जांच और कानूनी कार्रवाई के इसी अभाव का पूरा फायदा उद्योगपति और रसूखदार लोग उठा रहे हैं। जब फैक्ट्रियों को मालूम है कि कोई जांच करने वाला ही नहीं है, तो वे बेखौफ होकर मजदूरों के अधिकारों को कुचल रहे हैं।

समोदा के प्रवेशोत्सव में छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

नगर पंचायत समोदा के अंतर्गत कर्मा विद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रवेश उत्सव मनाया गया। सबसे पहले माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना की गई, तत्पश्चात शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती वंदना का स्मरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि शैलेन्द्र कुमार पटले, स्वामी आत्मानंद समोदा के प्रिंसिपल ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर, मुँह मीठा कराया, केक खिलाया तथा गणवेश देकर बच्चों एवं शिक्षकों को अपने उद्बोधन में शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन के लिए शाला प्रबंधन एवं शिक्षकगणों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। अतिथि के रूप में जितेंद्र साहू, श्याम हॉस्पिटल समोदा के संचालक ने भी सभी बच्चों को तिलक-चंदन, पेन, कॉपी एवं मिठाई देकर बधाई दी। सभी ने बच्चों को चंदन-तिलक लगाकर मिठाई खिलाई तथा नवप्रवेशी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस सफल आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा एवं संस्कारों में कभी कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

अयोध्या चंदा मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन आज

आरंग। श्री राम के मंदिर अयोध्या में कथित चढ़ावा चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग द्वारा 13 जुलाई को दोपहर 1 बजे इंदिरा चौक से बस स्टैंड आरंग तक रैली निकाली जाएगी तथा पुतला दहन किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में उक्त जानकारी देते हुए बताया गया कि रैली में समस्त वरिष्ठ कांग्रेसी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस कमेटी, महिला कांग्रेस कमेटी, अजा विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, एन.एस.यू.आई., सेवादल, नगरीय निकाय के समस्त कांग्रेस समर्थित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंच एवं सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे।

जनप्रतिनिधियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

साकरा स्कूल में फल व छायादार पौधों का रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

- नीम, पीपल, कटहल, मुनंगा के पौधे लगाए गए, जनप्रतिनिधियों ने पूरे क्षेत्र में किया पौधे लगाने का आहावान

धरती को हराभरा बनाने का संकल्प जब जनभागीदारी से जुड़ता है, तो हर लगाया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव बन जाता है। ऐसा ही प्रेरणादायी दृश्य तिल्दा विकासखंड के ग्राम पंचायत साकरा स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में देखने को मिला। जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू के मुख्य आतिथ्य मेंस्कुल परिसर में छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम में केवल पौधे लगाने तक ही पहल सीमित नहीं रही, बल्कि उनके संरक्षण और भविष्य में मिलने वाले लाभ पर भी विशेष जोर दिया गया। विद्यालय परिसर में नीम पीपल के साथ कटहल, मुनगा (सहजन) सहित कई फलदार पौधे लगाए गए हैं। यदि इन पौधों की नियमित देखभाल की गई, तो आने वाले वर्षों में विद्यालय के बच्चों को मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) में स्कूल परिसर में उगी कटहल और मुनगा की ताजी सब्जी भी परोसी जा सकेगी। इससे बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलेगा और विद्यालय आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक नई मिसाल कायम करेगा।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, जनपद सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू ने कहा,एक पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उसकी देखभाल करना उससे भी बड़ी जिम्मेदारी है। आज हम जो पौधे लगा रहे हैं, वही कल हमारे बच्चों को स्वच्छ हवा, छांव, फल और पौष्टिक भोजन देंगे। हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संभाले।/"उन्होंने कहा,/"'हर आंगन एक पेड़' और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज का जनआंदोलन बनने चाहिए।

आज बारिश की बूंदों के बीच लगाया गया हर पौधा प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि साकरा स्कूल से शुरू हुई यह पहल पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बनेगी। मैं भविष्य में फिर यहां आकर इन पौधों की प्रगति जरूर देखूंगा और उम्मीद करता हूं कि यही पौधे एक दिन बच्चों की थाली तक पौष्टिक सब्जी पहुंचाएंगे।/" कार्यक्रम में जनपद सदस्य चांदनी सत्रोहन यदु,सरपंच पूर्णिमा ऐवन पाटिल, सरपंच जामवती साहू, पंचायत सचिव सुनील शर्मा, पंचगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण का संदेश गांव वासियों तक पहुंचाया गया।

एचपीवी वैक्सीन के कैंप से स्कूली छात्राएं लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

आयुष्मान आरोग्य मंदिर पारागांव में एचपीवी वैक्सीन का मेगा कैंप लगाया गया, जिसके तहत हाई स्कूल व पूर्व माध्यमिक स्कूल पारागांव की पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाया गया। बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर वैक्सीन लगवाया। साथ ही प्राचार्य नारायण प्रसाद साहू ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी और बहू को एम्स रायपुर में उक्त टीका लगवाया था, जिसके लिए उन्हें 16,000 रुपये खर्च करने पड़े। वहीं, यही वैक्सीन सभी शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क लगाया जा रहा है। सत्र का आयोजन डॉ. विजयलक्ष्मी अनंत, खंड चिकित्सा अधिकारी, आरंग के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) का वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है, जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाता है। यह वायरस मुख्य रूप से सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) एवं अन्य प्रकार के कैंसर का कारण बन सकता है। यह टीका पूर्ण रूप से सुरक्षित है तथा लोगों से भ्रांतियों से दूर रहने की अपील की गई। इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिका सुरभि शुक्ला एवं सुमन गुप्ता उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सकों की उपस्थिति रही। विभाग की ओर से श्रवण तिवारी (आरएमए), सेक्टर सुपरवाइजर एम.एल. गायकवाड़, लीला विश्वास, महिमा राजपूत, इंदु देवांगन, दीपक चंद्राकर, धनेश कुमार बघेल, दीनबंधु साहू, रागिनी साहू तथा मितानिन कार्यक्रम से गीता निषाद, सरोज चंद्राकर, दुर्गा सोनवानी, तेजबाई टंडन तथा पारागांव की समस्त मितानिनों की उपस्थिति रही। सभी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

बालाजीपुरम कॉलोनी के कुर्रे अध्यक्ष मनोनीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

बालाजीपुरम कॉलोनी में आयोजित आम बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में 28 जून को पारित प्रस्ताव के अनुसार पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। सलाहकार समिति में संतोष हरदाहे, विनोद गुप्ता, नरसिंह चंद्राकर, जनक राजू साहू, अब्दुल कादिर, हरमोहन बाँधे, विजय गुप्ता, आत्माराम निषाद, लोचन साहू एवं गिरधर साहू को शामिल किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष पिंटू कुर्रे, उपाध्यक्ष सतीश भूतड़ा, सचिव भरत चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिवाना, सह सचिव सूर्या चन्द्राकर तथा सांस्कृतिक सचिव हलधर बघेल एवं संजय देवांगन को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा कॉलोनी के विभिन्न सदस्यों को भी कार्यकारिणी में शामिल कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कॉलोनी के विकास एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किए गए। निर्णय लिया गया कि कॉलोनी के विकास, सुरक्षा एवं धार्मिक आयोजनों के लिए प्रत्येक सदस्य से 200 रुपये प्रतिमाह सहयोग राशि ली जाएगी। कॉलोनी में नया मकान निर्माण कराने वाले सदस्यों से 7,000 रुपये सहयोग राशि ली जाएगी, जिसमें से 5,000 रुपये सड़क, नाली एवं अन्य विकास कार्यों तथा 2,000 रुपये धार्मिक आयोजनों पर व्यय किए जाएंगे। धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्व बैठक में चर्चा के बाद तय किया जाएगा। प्रत्येक माह की 10 तारीख को कॉलोनी संचालन समिति की नियमित बैठक आयोजित होगी। साथ ही कॉलोनी में निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों एवं बाहरी व्यक्तियों के लिए आवश्यक नियमों का पालन अनिवार्य किया गया। कॉलोनी के गार्डन एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए गंदगी फैलाने या साफ-सफाई में लापरवाही करने पर 500 रुपये तक का अर्थदंड लगाने का भी निर्णय लिया गया।

ईश्तहार

क्रमांक/669/नामां./न.पं./2026-27
चंदखुरी, दिनांक 01/07/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं संबंधितों को सूचित किया जाता है कि, नीचे निर्दिष्ट कॉलम (2) में दर्शित आवेदिका से छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत कॉलम (3) मे विनिर्दिष्ट परिसंपत्ति को नगर पंचायत चंदखुरी के कर मांग पंजी मे अपने नाम पर नामान्तरण किए जाने इस कार्यालय को निर्धारित प्रारूप मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है, और उक्त परिसंपत्ति अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में नामान्तरण हेतु विचाराधीन है

क्र. -1, आवेदक का नाम- श्री संजय वर्मा पिता/पति परदेशीराम वर्मा नगर चंदखुरी (छ.ग.) **आवेदक/हस्ताक्षरकर्ता का नाम/पिता/पति का नाम पता-** श्री परदेशीराम वर्मा पिता. स्व. कामता वर्मा नगर चंदखुरी रायपुर, **नामांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि/भवन का वार्ड क्र. एवं लैंडमार्क-** वार्ड क्र. 01 महात्मा गांधी नगर पंचायत चंदखुरी, **भूमि/भवन खसरा नं.** - खसरा नं. 437 का भाग, **रकबा-** 519 वर्गफीट, **नामांतरण का साधन/आधार/रिमार्क-** बंटवारानामा/आपसी सहमति पत्र।

अतः ऊपर उल्लेखित परिसंपत्ति के नामान्तरण किये जाने से किसी व्यक्ति / वारिसान या अन्य को आपत्ति होतो वें अपना दावा-आपत्ति तथ्यात्मक कारणों तथा उससे संबंधित प्रमाणिक अभिलेखों सहित ईश्तहार प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे उपस्थित होकर कर सकते है ।

नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति अथवा दावामान्य नही होगा तथा यह मानकर कि उक्त परिसंपत्ति निर्विवाद है, प्रकरण पर नामान्तरण की एक तरफा कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत चंदखुरी, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/683/नामां./न.पं./2026-27
चंदखुरी, दिनांक 01/07/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं संबंधितों को सूचित किया जाता है कि, नीचे निर्दिष्ट कॉलम (2) में दर्शित आवेदिका से छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत कॉलम (3) मे विनिर्दिष्ट परिसंपत्ति को नगर पंचायत चंदखुरी के कर मांग पंजी मे अपने नाम पर नामान्तरण किए जाने इस कार्यालय को निर्धारित प्रारूप मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है, और उक्त परिसंपत्ति अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में नामान्तरण हेतु विचाराधीन है

क्र. -1, आवेदक का नाम- श्री धनेश्वर कुमार वर्मा पिता/पति संतोष कुमार वर्मा नगर चंदखुरी (छ.ग.) **आवेदक/हस्ताक्षरकर्ता का नाम/पिता/पति का नाम पता-** श्री संतोष कुमार वर्मा पिता हिच्छाराम वर्मा नगर चंदखुरी रायपुर, **नामांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि/भवन का वार्ड क्र. एवं लैंडमार्क-** वार्ड क्र. 01 महात्मा गांधी नगर पंचायत चंदखुरी, **भूमि/भवन खसरा नं.** - खसरा नं. 437-85 का भाग, **रकबा-** 1110 वर्गफीट, **नामांतरण का साधन/आधार/रिमार्क-** बंटवारानामा/आपसी सहमति पत्र।

अतः ऊपर उल्लेखित परिसंपत्ति के नामान्तरण किये जाने से किसी व्यक्ति / वारिसान या अन्य को आपत्ति होतो वें अपना दावा-आपत्ति तथ्यात्मक कारणों तथा उससे संबंधित प्रमाणिक अभिलेखों सहित ईश्तहार प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे उपस्थित होकर कर सकते है ।

नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति अथवा दावामान्य नही होगा तथा यह मानकर कि उक्त परिसंपत्ति निर्विवाद है, प्रकरण पर नामान्तरण की एक तरफा कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत चंदखुरी, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/659/नामां./न.पं./2026-27
चंदखुरी, दिनांक 01/07/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं संबंधितों को सूचित किया जाता है कि, नीचे निर्दिष्ट कॉलम (2) में दर्शित आवेदिका से छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत कॉलम (3) मे विनिर्दिष्ट परिसंपत्ति को नगर पंचायत चंदखुरी के कर मांग पंजी मे अपने नाम पर नामान्तरण किए जाने इस कार्यालय को निर्धारित प्रारूप मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है, और उक्त परिसंपत्ति अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में नामान्तरण हेतु विचाराधीन है

क्र. -1, आवेदक का नाम- श्रीमती हिरेश्वरी वर्मा पिता रतन सिंह वर्मा नगर चंदखुरी (छ.ग.) **आवेदक/हस्ताक्षरकर्ता का नाम/पिता/पति का नाम पता-** श्री देवेन्द्र झालसिंह वर्मा रतन सिंह वर्मा नगर चंदखुरी रायपुर, **नामांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि/भवन का वार्ड क्र. एवं लैंडमार्क-** वार्ड क्र. 02 मां महामाया वार्ड नगर पंचायत चंदखुरी, **भूमि/भवन खसरा नं.** - खसरा नं. 437-157 का भाग, **रकबा-** 400 वर्गफीट, **नामांतरण का साधन/आधार/रिमार्क-** बंटवारानामा/आपसी सहमति पत्र।

अतः ऊपर उल्लेखित परिसंपत्ति के नामान्तरण किये जाने से किसी व्यक्ति / वारिसान या अन्य को आपत्ति होतो वें अपना दावा-आपत्ति तथ्यात्मक कारणों तथा उससे संबंधित प्रमाणिक अभिलेखों सहित ईश्तहार प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे उपस्थित होकर कर सकते है ।

नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति अथवा दावामान्य नही होगा तथा यह मानकर कि उक्त परिसंपत्ति निर्विवाद है, प्रकरण पर नामान्तरण की एक तरफा कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत चंदखुरी, जिला-रायपुर (छ.ग.)

चाकू की नोक पर लूट के आरोप में दो गिरफ्तार

अभनपुर। अभनपुर-राजिम मार्ग स्थित गातापार बड़े नहर के पास दो युवकों से चाकू की नोक पर मोबाइल फोन एवं नकदी लूटने के मामले में अभनपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजने के लिए न्यायालय में पेश किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार गरियाबंद जिले के ग्राम कुरूद निवासी नारायण साहू एवं उनके साथी गोपीचंद साहू 6 जुलाई की रात रायपुर से अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब 9 बजे गातापार बड़े नहर के पास तीन युवकों ने उन्हें रोककर चाकू की नोक पर दो मोबाइल फोन तथा 29,500 नकद सहित कुल लगभग 35,500 की संपत्ति लूट ली थी। घटना के बाद आरोपी काले रंग की एक्टिवा से फरार हो गए थे। पीड़ितों की रिपोर्ट पर थाना अभनपुर में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने प्रकरण में शामिल दो आरोपियों युवराज सेन (18) निवासी काली मंदिर के पास, डूमरतराई रायपुर तथा साहिल ओगरे 19 वर्ष निवासी नायकबांधा अभनपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के विरुद्ध थाना अभनपुर में 304, 3 (5) भारतीय न्याय संहिता एवं 25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर जेएमएफसी न्यायालय, रायपुर में पेश करने के लिए रवाना किया गया। पुलिस मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता एवं लूटे गए सामान की बरामदगी के संबंध में आगे की जांच कर रही है।

पेज 09 के शेष...

एसआई-सूबेदार ...

अनुसार, सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के पैटर्न में बदलाव देखा गया और पिछली परीक्षाओं की तुलना में यह कठिन रहा। इस कारण इस बार कटऑफ कम जाने की आशंका है। राजधानी में इस परीक्षा के लिए 22 केंद्र बनाए गए थे। इसके लिए 8,597 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से 7,571 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। रायपुर जिले में उपस्थिति 88.07 प्रतिशत रही। नए नियमों के मुताबिक सभी परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग और फेस ऑथेंटिकेशन किया गया। उड़नदस्ते की विशेष टीम भी निरीक्षण के लिए बनाई गई थी। परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। गौरतलब है, राज्य भर से 1 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने इसकी प्रारंभिक लिखित परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। यह परीक्षा चयन प्रक्रिया का दूसरा चरण है। इसमें केवल वही अभ्यर्थी शामिल हुए, जिन्होंने शारीरिक माप परीक्षण और शारीरिक मानक परीक्षण उत्तीर्ण किया है।

सात सड़कें, 17 ...

का काम धरातल पर नजर नहीं आ रहा है। महापौर मीनल चौबे ने इस बार के अपने निगम बजट में शहर के सात मार्गों के निर्माण और चौड़ीकरण के लिए 127 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान रखा है। मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत इसमें काम होना है। इससे आने वाले दिनों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा, साथ ही वैकल्पिक मार्ग विकसित होंगे। प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। जिन क्षेत्रों में ये कार्य होने हैं, वहां बीते कुछ वर्षों से तेजी से आबादी में बढ़ोतरी हुई है और यातायात पर दबाव बढ़ा है, जिससे आवाजाही प्रभावित हो रही है।

तात्यापारा से शारदा ...

नहीं हो पाया है। यह निर्माण नगर निगम करेगा या लोक निर्माण विभाग, दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। नगर निगम द्वारा साल 2024-25 में कराए गए सर्वे के अनुसार परियोजना के जद में 102 मकान व दुकानें आ रहे हैं। मुआवजा राशि के लिए 122 करोड़ का अनुमान लगाया गया था, लेकिन नई गाइडलाइन दरों के कारण यह लागत और बढ़ सकती है। कुल मिलाकर ट्रैफिक जाम की समस्या जस के तस बनी हुई है।

नाले पर बनाए अवैध ...

सफाई कराई। नाला सफाई में बाधा आने से इस क्षेत्र में जलभराव की शिकायत लोगों ने की थी। इस पर संज्ञान लेते हुए अवैध पाटे हटाने की कार्रवाई जोन-9 कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देशन एवं कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे की उपस्थिति में की गई। नाले पर निर्मित अवैध पाटे हटाने से गंदे पानी की निकासी सुगम हो गई। अब वहां बारिश के सीजन में जलभराव की समस्या नहीं होगी। इसी तरह नगर निगम जोन-10 क्षेत्र के बाबू जगजीवनराम वार्ड में डूमरतराई श्मशानघाट सहित आसपास के क्षेत्रों में आज जनता को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने श्मशानघाट से पोकलेन मशीन लगाकर कच्चा नाला खोदकर जल निकासी की व्यवस्था की गई। नगर निगम जोन-10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा की उपस्थिति में कच्चा नाला खोदने की व्यवस्था बनाई गई।

नेटवर्क खड़ा करने ...

तीन लोगों को संदिग्ध रूप से दोपहिया वाहन में देख उनकी घेराबंदी की, तब तीनों पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश करने लगे।

खबर संक्षेप

108 मुनि आगम सागर महाराज का 19 जुलाई को होगा मंगल प्रवेश

रायपुर। लगभग 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रायपुरवासियों को मुनि संघ सानिध्य का पावन वर्षायोग विद्यावंशी चातुर्मास 2026 के रूप में मिलने जा रहा है। आचार्य भगवन 108 विद्यासागर महाराज की प्रेरणा और वर्तमान आचार्य समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से, 108 मुनि आगम सागर महाराज ससंघ सानिध्य का 'विद्यावंशी चतुर्मास 2026' अब श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, मालवीय रोड में सुनिश्चित हो गया है। दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी नरेंद्र जैन गुरुकृपा एवं अध्यक्ष संजय नायक जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन के अंतर्गत, मुनि 108 आगम सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश आगामी 19 जुलाई को संपन्न होगा। इस अविस्मरणीय दिन को भव्य रूप देने हेतु समाज द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस विद्यावंशी चतुर्मास 2026 महा-अनुष्ठान को व्यवस्थित रूप देने के लिए रविवार को सुबह 9 बजे विद्यासागर हॉल, मालवीय रोड में सकल दिगंबर जैन समाज की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक रखी गई।

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में प्रशासनिक अधिकारी, विरोध शुरू

रायपुर। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में अपर संचालक के पद पर गैर चिकित्सकीय अधिकारी की नियुक्ति के खिलाफ विभिन्न संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। तर्क दिया गया है कि चिकित्सा शिक्षा एक अत्यंत विशिष्ट, तकनीकी एवं विशेषज्ञता आधारित क्षेत्र है। इस विभाग में लिए जाने वाले नीतिगत एवं प्रशासनिक निर्णय सीधे प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, इंटर्न चिकित्सकों तथा लाखों मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण तकनीकी पदों पर अनुभवी एवं योग्य चिकित्सकों की नियुक्ति होना चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, प्रभावी नेतृत्व तथा पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने शीर्ष तकनीकी पदों पर चिकित्सकों के स्थान पर गैर-चिकित्सकीय अधिकारियों की नियुक्ति से नीति निर्माण एवं निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका जताई है।

आईएमए की पहल कुपोषण मुक्ति का संकल्प

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण मुक्ति का संकल्प अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की संयुक्त पहल ने सारंगढ़ विकासखंड में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। हाल ही में आयोजित एक विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से न केवल 30 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, बल्कि उनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक की जिम्मेदारी भी उठाई गई है। यह कहानी शासकीय संकल्प और सामाजिक सहभागिता के उस बेहतरीन समन्वय की है, जो राज्य के लिए एक मिसाल बन रही है।

पानी का बजट 4 करोड़, किराए के टैंकरों पर इस बार 2 करोड़ से ज्यादा बिलिंग के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम में पानी का बजट 4 करोड़ होने के बाद भी इस बार के गर्मी सीजन में चार जोन के 11 वार्डों में पेयजल संकट की स्थिति बनने से जोन-9, जोन-5, जोन-3 और जोन-1 वार्डों में किराए के पानी टैंकर भेजकर लोगों की प्यास बुझाने की नौबत आई। इस बार 15 जुलाई तक किराए के पानी टैंकर जलसंकट प्रभावित इलाकों में चलाने की स्थिति बनी है। ऐसे में किराए के पानी टैंकर की बिलिंग इस बार 2 करोड़ से ज्यादा जाने के आसार है। यदि ऐसा हुआ तो पिछले वर्ष की तुलना में यह राशि 50 लाख रुपए ज्यादा होगी। जबकि रायपुर नगर निगम द्वारा आम जनता को शुद्ध पेयजल पहुंचाने इस बार अमृत मिशन के तहत 400 करोड़ और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत शहर के 15 वार्डों में 130 करोड़ खर्च कर 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना पर काम किया गया। इसके बाद भी स्थिति ये है कि गंज पानी टंकी और मोतीबाग पानी टंकी को कमांड एरिया मानते हुए राजधानी के 15 वार्डों में नई पाइपलाइन बिछाने, इंटर कनेक्शन करने और अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित स्वचालित मीटर लगाने का फायदा लोगों को नहीं मिल पाया।

हरिभूमि सरोकार

शहर के 15 वार्डों में 24 घंटे जल आपूर्ति योजना का नहीं मिल रहा लाभ

गर्मी में शुद्ध पानी की आपूर्ति

हर बार की तरह इस बार भी शहरवासियों की प्यास बुझाने नगर निगम का जल विभाग अपने फिल्टर प्लांट से गर्मी के सीजन में 300 एमएलडी से अधिक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शहर के नई व पुरानी 43 पानी टंकियों के माध्यम से करता रहा। जल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, रायपुर नगर निगम के 11 वार्डों में पानी की सबसे ज्यादा किल्लत रही। इसमें सबसे ज्यादा जोन-9 के जलसंकट प्रभावित वार्डों में रहा, जहां सबसे ज्यादा 23 किराए के पानी टैंकर अलग-अलग पाइंट पर भेजने की नौबत आई। इसी तरह जोन-3 के नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड की खम्हारडीह बस्ती, वृंदावन कॉलोनी, पार्वती नगर, सेलटैक्स कॉलोनी, भावना नगर बस्ती में पानी की समस्या दूर करने टैंकर भेजकर जल आपूर्ति की गई। इस वार्ड के कुछ इलाकों में पेयजल की समस्या अभी भी बनी हुई है।

अवंतिबाई वार्ड भी

नगर निगम जोन-2 के वीरांगना अवंति बाई वार्ड के डब्लूआरएस कॉलोनी में रेलवे पटरी से लगी बस्तियों में पानी के लिए त्राहिमाम मचने से किराए के पानी टैंकर भेजकर जल आपूर्ति की व्यवस्था की गई। इस वार्ड के इंदिरा नगर, प्रेमनगर, नेपाली बस्ती, शिवनगर, झारखंड बस्ती श्रीराम नगर, घासपारा, वाल्मीकि नगर, दुर्गा नगर में पेयजल का संकट ज्यादा रहा। वहीं भनपुरी में 2 पानी टंकियां होने के बाद भी दर्जनभर मोहल्लों में नलों से पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से किराए के पानी टैंकर का सहारा लेना पड़ा। जबकि अमृत मिशन के तहत नई पाइपलाइन बिछाने के बाद भी ये स्थिति देखने को मिली। इसके अलावा भक्त कर्मा माता वार्ड, डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड, गुरु गोविंद सिंह वार्ड में पेयजल संकट गहराने से किराए के पानी टैंकर की जरूरत पड़ी।

अंतागढ़-रायपुर डेमू, झारसुगुड़ा मेमू भी महीनों से रुला रहीं

लेटलतीफी का रिकार्ड तोड़ रहीं दर्जनों ट्रेनें सारनाथ और शालीमार की शिकायत ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों के लगातार विलंब से चलने के कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर हर दिन सोशल मीडिया पर दर्जनों शिकायतें दर्ज हो रही हैं। रेल अधिकारियों की ओर से यदा-कदा ट्रेनों को समय पर चलाने के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन इसका असर ट्रेनों के परिचालन में नजर नहीं आ रहा है। न तो ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई जा रही है और न ही वे निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंच पा रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और इससे जुड़े रेलमार्गों पर चलने वाली कई ट्रेनों की लेटलतीफी अब आम हो गई है। पिछले एक सप्ताह के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर यात्रियों ने रेल मंत्रालय, रेलवे सेवा, डीआरएम रायपुर, डीआरएम बिलासपुर समेत रेलवे के अन्य अधिकारियों को टैग करते हुए ट्रेनों के घंटों देर से चलने की शिकायतें दर्ज कराईं। रोजाना हजारों यात्री बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग और राजनांदगांव से रायपुर आते-जाते हैं।

लोकल ट्रेनों के विलंब का असर अब एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी दिखाई देने लगा है। हरिभूमि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल की तो यह तथ्य सामने आया कि केवल एक महीने में ही ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने को लेकर 70 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। वहीं सप्ताहभर में ही शिकायतों की संख्या 15 से 20 तक पहुंच रही है।

खास खबर

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों की बढ़ी परेशानी

महीनेभर में ट्रेनों के विलंब को लेकर 70 से ज्यादा शिकायतें

ये ट्रेनें चल रहीं लेट

ट्रेनों की लेटलतीफी से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र भी परेशान हैं। सबसे अधिक शिकायतें सारनाथ एक्सप्रेस को लेकर सामने आई हैं। इसके अलावा गोंडवाना एक्सप्रेस, अंतागढ़–रायपुर डेमू, झारसुगुड़ा मेमू, शालीमार–एलटीटी एक्सप्रेस, दुर्ग–पुरी एक्सप्रेस, बिलासपुर सुपरफास्ट इंटरसिटी, गीतांजलि एक्सप्रेस, मुंबई सीएसएमटी एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस, ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस और आजाद हिंद एक्सप्रेस भी अक्सर विलंब से रायपुर पहुंच रही हैं। लगातार विलंब से चलने के कारण यात्रियों का समय बर्बाद हो रहा है और स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्त किराया देने के बावजूद अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पा रही है।

मुंबई और नागपुर रूट की ट्रेनें सबसे अधिक प्रभावित

रायपुर से बिलासपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति सुबह से ही प्रभावित रही। वहीं दुर्ग-नागपुर रूट पर चलने वाली ट्रेनों में सबसे अधिक देर दर्ज की गई। मुंबई रूट से आने वाली कई ट्रेनें भी घंटों विलंब से पहुंचीं। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों के लगातार लेट होने से उनका पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रभावित हो रहा है।

हसदेव, अंबिकापुर-साउथ बिहार एक्सप्रेस बनीं मरोसेमंद

जहां कई ट्रेनें लगातार विलंब से चल रही हैं, वहीं कुछ ट्रेनें अभी भी समय अनुसार अपनी चाल बनाए हुए हैं। रायपुर पहुंचने वाली हसदेव एक्सप्रेस, अंबिकापुर एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस निर्धारित समय पर चल रही हैं। हसदेव एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे कोरबा से रायपुर पहुंचती है और पिछले कई महीनों से इसके विलंब से चलने की शिकायत नहीं मिली है। इसके अलावा समता, संपर्क क्रांति, बीकानेर एक्सप्रेस और दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस भी दोनों दिशाओं में समय पर पहुंच रही हैं, जिससे यात्रियों के बीच इन ट्रेनों ने भरोसा कायम रखा है।

रथयात्रा स्पेशल आठ घंटे से ज्यादा लेट, यात्रियों की छूटी फ्लाइटः पुरी रथयात्रा के अवसर पर चलाई गई 08802 पुरी-गोंदिया रथयात्रा स्पेशल यात्रियों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब साढ़े आठ घंटे देर से रायपुर पहुंची। ट्रेन में पेंट्रीकार नहीं होने के कारण यात्रियों को खाने-पीने की परेशानी भी झेलनी पड़ी। ट्रेन पुरी से दोपहर 1 बजे के बजाय शाम 4.36 बजे रवाना हुई। इसके बाद संबलपुर पहुंचते-पहुंचते करीब 7 घंटे लेट हो गई। टिटलागढ़ स्टेशन पर भी ट्रेन करीब चार घंटे तक खड़ी रही।

एक्स पर ट्रेन को लेकर शिकायतें

- **18426 दुर्ग–पुरी एक्सप्रेस** लगभग हर दिन 2 से 3 घंटे देरी से चल रही है।
- **78816 अंतागढ़–रायपुर डेमू** सुबह 8 बजे छूटने वाली ट्रेन 8.15 बजे तक भी रवाना नहीं हुई।
- **12409 गोंडवाना एक्सप्रेस** रायगढ़ समय पर पहुंचाने के लिए परिचालन में सुधार करें।
- **18030 शालीमार–एलटीटी एक्सप्रेस** तीन घंटे से ज्यादा लेट, मालगाड़ियों को प्राथमिकता मिलने का आरोप।
- **12856 रायपुर–बिलासपुर सुपरफास्ट इंटरसिटी** सुपरफास्ट का किराया, लेकिन रफ्तार लोकल ट्रेन जैसी।
- **08802 पुरी–गोंदिया रथ यात्रा स्पेशल** रायपुर पहुंचते-पहुंचते करीब 10 घंटे लेट।
- **68706 मेमू** छह महीने से लगातार 2-3 घंटे देरी से चल रही है।
- **15159 ट्रेन** छह घंटे लेट होने से परीक्षा देने में परेशानी हुई।

ओडिशा रूट की ट्रेन

3 से 5 घंटे की देरी और टिकट रद्द करने पर अधिक कटौती की शिकायत।

पारिवारिक कलह से की खुदकुशी

ससुराल-पुलिस पर प्रताड़ना के आरोप

खुदकुशी के पूर्व मृतक का बनाया वीडियो वायरल

फर्जी पुलिस बनकर वसूली करने की शिकायत पर हुई थी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में 10 दिन पूर्व 3 जुलाई को खुदकुशी के पूर्व युवक ने थाना प्रभारी, क्राइम बीट के सिपाही तथा अपने ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। इस संबंध में खमतराई टीआई का कहना है कि मृतक तथा उसके एक साथी के खिलाफ दिसंबर में फर्जी पुलिस बनकर लोगों से वसूली करने की शिकायत मिलने पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई थी। महेश दास ने 3 जुलाई को खुदकुशी की थी। खुदकुशी के पूर्व उसने मोबाइल से वीडियो बनाकर खमतराई थाने का तत्कालीन टीआई राजेश सिंह तथा सिपाही बंटी सिंह उर्फ प्रदीप यादव, अपनी पत्नी तथा ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए खुदकुशी करने की बात कही थी।

मृतक की बहन रवीना सौम्या मानिकपुरी ने आरोप लगाया है कि उसके भाई को उसकी पत्नी तथा ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे। साथ ही महेश पर पत्नी को तलाक देने दबाव बनाते थे। मृतक की बहन ने बताया कि महेश का ढाई साल का बेटा है। ससुराल वाले महेश को अपने बेटे से मिलने नहीं देते थे। महेश के ससुराल वालों ने टीआई तथा सिपाही के साथ मिलकर उसके भाई को प्रताड़ित किया, इस कारण उसके भाई ने खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने कहा- वसूली प्रकरण में की थी कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, महेश तथा उसका साथी गौरी तथा एक अन्य नकली पुलिस बनकर वसूली करते थे। वे किराए की कार लेकर खमतराई थाने के आसपास खड़े रहते थे। थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज कराने आता था तो वे फरियादी का थाने से निकलने तक इंतजार करते थे। इसके बाद संबंधित पीड़ित से केस सेटलमेंट कराने के नाम पर पैसों की मांग करते थे। इस मामले में महेश तथा गौरी के खिलाफ दिसंबर में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई थी। बावजूद इसके पुलिस खुदकुशी प्रकरण की नए सिरे से जांच करने की बात कह रही है।

पुराने मीटरों की रीडिंग को स्मार्ट झटका 35 से 40 दिनों की हो रही बिलिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्मार्ट मीटर से सीधी रीडिंग के कारण अब पुराने मीटर वाले उपभोक्ताओं की आफत हो गई है। स्मार्ट मीटर की बीते दो माह से कंट्रोल रूम से रीडिंग करके उपभोक्ताओं को उनके मोबाइल पर ही बिल भेजा जा रहा है। यह व्यवस्था अच्छी है, लेकिन इसके कारण पुराने मीटर के उपभोक्ता परेशानी में पड़ गए हैं। पहले रीडरों को एक तारीख से पहले डीसी सेंटरों से रीडिंग का डाटा मिल जाता था, लेकिन अब एक सप्ताह विलंब से डाटा मिलने के कारण रीडिंग विलंब से प्रारंभ हो रही है। ऐसे में 35 से 40 दिनों की बिलिंग हो रही है जबकि नियम से 30 दिनों की बिलिंग होनी चाहिए। इसकी वजह से बिल जमा करने के लिए समय भी कम मिल रहा है।

प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगने का काम चल रहा है। इस बीच अब तक जिन करीब 40 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, उनके मीटरों की रीडिंग सीधे कंट्रोल रूम से करने का काम बीते माह से प्रारंभ किया गया है। ऐसे करने के पीछे की वजह पेपरलेस बिलिंग सिस्टम अपनाना है। यह व्यवस्था अच्छी तो है, लेकिन इस व्यवस्था के कारण कुछ परेशानी भी सामने आ रही है।

रीडरों को एक सप्ताह विलंब से मिल रहा डाटा

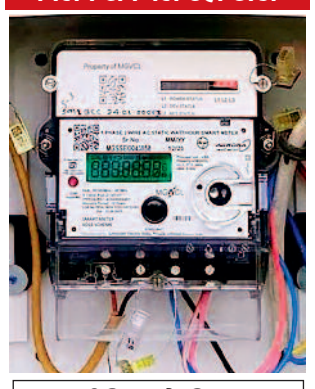

रीडिंग में विलंब

स्मार्ट मीटर की बिलिंग 6 से 7 तारीख को होने के कारण पुराने मीटरों की रीडिंग करने वाले रीडरों को डीसी सेंटरों से 8 तारीख को डाटा मिल रहा है। पहले इनको एक तारीख या इससे पहले भी डाटा मिल जाता था तो इनकी रीडिंग एक तारीख से प्रारंभ हो जाती थी। यह रीडिंग एक से 15 तारीख तक चलती है। लेकिन अब रीडिंग विलंब से हो रही है। विलंब से रीडिंग होने के कारण पुराने मीटरों का बिल जो पहले 30 दिनों का या फिर किसी कारण से दो दिनों का विलंब होने पर 32 दिनों का बनता था, वह अब 35 से 40 दिनों का बन रहा है। ऐसे में बिल ज्यादा आएगा।

30 दिनों की रीडिंग संभव नहीं

पॉवर कंपनी के जानकारों और रीडरों का साफ कहना है, तीस दिनों की रीडिंग उसी हाल में संभव है जब हर माह एक तारीख या फिर तय तिथि पर रीडिंग हो। किसी भी मीटर में माह के अंतिम तिथि की रीडिंग दर्ज रहती है। अगर किसी उपभोक्ता के घर पर रीडर पांच तारीख के स्थान पर 10 तारीख को जाएगा तो उस दिन की रीडिंग लेने पर 35 दिन का बिल बनेगा। अगर लीडर 15 तारीख को जाएगा तो 40 दिनों का बिल बनेगा। अगर मीटर से माह के अंतिम दिन को रीडिंग ली जाएगी तो 20 से 25 दिनों का बिल बनेगा। क्योंकि पिछली रीडिंग पांच तारीख को ली गई थी। जिन उपभोक्ताओं की रीडिंग जिस तारीख को होती है, रीडर उसी तिथि में दूसरे माह को जाएगा तभी 30 दिनों की रीडिंग संभव होगी, अन्यथा जितने दिन विलंब से रीडर जाएगा, उतने दिनों का ज्यादा बिल बनेगा, जो नियमों के हिसाब से गलत है। रीडर खुद नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि दो माह से रीडिंग का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है।

द्वितीय परीक्षा के परिणाम नहीं आए संकाय चयन सहित दाखिले भी अटके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा बोर्ड परीक्षा का तनाव कम करने के लिए बीते सत्र से बड़ा बदलाव किया गया था। अब 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं साल में 2 बार आयोजित की जा रही हैं। इस नए नियम के तहत, पहली मुख्य परीक्षा के नतीजे 15 अप्रैल को ही जारी कर दिए गए थे।

जो बच्चे अपने नंबरों से संतुष्ट नहीं थे या किसी वजह से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते थे, उनके लिए 15 मई से 31 मई के बीच दूसरी बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई। देशभर से 6.8 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा दी थी। परीक्षा खत्म हुए लगभग दो माह हो चुके हैं, लेकिन अब तक इसके परिणाम घोषित नहीं किए जा सक हैं।

मई में आयोजित की गई थी हाईस्कूल की द्वितीय परीक्षा

अंतिम अंकसूची के बगैर दाखिले नहीं

सबसे पहली समस्या स्ट्रीम सिलेक्शन की है। ग्यारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स में दाखिले दसवीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही मिलते हैं। जब तक फाइनल रिजल्ट नहीं आता, तब तक छात्रों का संकाय निर्धारित नहीं हो सकेगा। अंकों की जानकारी नहीं होने के कारण विद्यार्थी किसी भी संकाय में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। इसके अलावा अन्य दिक्कत उन छात्रों को आ रही है, जो स्कूल बदलना चाहते हैं। सामान्यतः निजी स्कूलों में फाइनल मार्कशीट के बगैर नए छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाता है।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 13 जुलाई 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

इन-आउट और स्टेच्यू गेम्स के बीच...

हर्बल लाइव

बरसात में हल्दी दूध, तुलसी और अदरक का करें सेवन

रायपुर। बारिश का मौसम शुरू होने के साथ अपने और अपनों के लिए थोड़ी सतर्कता और सावधानी रखनी चाहिए। बारिश के मौसम में हमेशा स्वच्छ, उबला हुआ और फिल्टर पानी उपयोग करें। पानी के बर्तनों को खुला बिल्कुल नहीं रखना चाहिए। भोजन करने से भी पहले, शौचालय से आने के बाद और बाहर से घर आने पर हाथ को साबुन से धोना चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य होम्योपैथिक परिषद और महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सभासद डॉ. दिलीप पिंपले ने लोगों को मानसून को लेकर सचेत करते हुए यह जानकारी दी। डॉ. पिंपले रायपुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में बतौर प्रोफेसर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारी से बचने के लिए एलोपैथी, आयुर्वेदिक के साथ होम्योपैथी की दवाएं भी कारगर होती हैं। होम्योपैथी दवाएं धीरे, लेकिन बीमारी का जड़ से अंत करतीं हैं।

घरों में मच्छरदानी का उपयोग करें, पर्याप्त नींद लें

डॉ. पिंपले ने बताया कि घर पर ताजा भोजन करें। खुले में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें। घर के पास जलभराव न होने दें। इसमें मच्छरों का प्रजनन हो सकता है। कचरा डस्टबीन में ही डालें। बारिश के पानी से भींगने से बचें और सड़कों पर बह रहे नालियों के गंदे पानी के संपर्क में आने से बचने का प्रयास करें। डॉ. पिंपले ने बताया कि बारिश में जलभराव होने से मच्छर पनपने लगते हैं। ऐसे में घरों में मच्छरदानी का उपयोग करें। मच्छर भगाने वाली क्रीम और लिक्विड का भी प्रयोग कर सकते हैं। बारिश में अगर जूता या चप्पल गीली हो जाए, तो उसे पहनने से बचें। बारिश के मौसम में हल्के, सूती और आरामदायक कपड़े पहनने चाहिए।

लाइव इवेंट

रोटरी क्लब ने किया पौधारोपण पॉटलक पिकनिक भी मनाई

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सदस्य एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रजाति के 100 पौधों का रोपण करते हुए पॉटलक पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 60–70 सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। इस कड़ी में सदस्यों ने 100 पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद आयोजित पॉटलक पिकनिक में सभी ने अपने-अपने व्यंजन साझा किए। साथ ही विभिन्न मनोरंजक खेल खेलते हुए आपसी मेलजोल बढ़ाने पर जोर दिया और पारिवारिक वातावरण का आनंद लिया। क्लब की अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता ने कहा कि पौधारोपण भविष्य की पीढ़ी के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधों की देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए।

टीम भावना से पौधों को बचाने का किया जाएगा प्रयास

क्लब की सचिव डॉ. स्वाति अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन सदस्यों के बीच सौहार्द, टीम भावना और मजबूत रिश्तों को बढ़ावा देते हैं। इस आयोजन की चेयरपर्सन रेनू मित्तल ने पर्यावरण संरक्षण एवं सदस्य एकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। इस अवसर पर सभी ने यह संकल्प लिया कि, जिनते भी पौधे रोपे गए हैं, उनको सुरक्षित रखने का प्रयास टीम के साथ ही आसपास रहने वाले परिवारों के सहयोग से किया जाएगा। आयोजन का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

सिटी लाइव

प्रोलेप्स और यूरिन लीक के आधुनिक उपचार पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा यूरोगायनेकोलॉजी एवं वैजाइनल सर्जरी विषय पर दो दिवसीय सीएमई एवं लाइव सर्जिकल कार्यशाला का आयोजन किया गया। वेजाइनल सर्जन सोसाइटी एवं मेनोपॉज सोसायटी के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में प्रदेश सहित देशभर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया। इसमें 100 से अधिक चिकित्सकों एवं पीजी विद्यार्थियों को आधुनिक उपचार पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. विवेक चौधरी और डॉ. संतोष सोनकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में प्रोलेप्स (गर्भाशय के बाहर निकलने) और यूरिन लीक (मूत्र असंयम) जैसी समस्याओं के आधुनिक उपचार पर विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला के पहले दिन हिस्टेरोस्कोपी, यूरोडायनामिक स्टडी, स्ट्रेस एवं मिक्स्ड यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस तथा वॉल्ट प्रोलैप्स के उपचार पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आभा सिंह ने बताया कि प्राकृतिक वैजाइनल मार्ग से गर्भाशय निकालने की सर्जरी सुरक्षित एवं प्रभावी है, जिसमें पेट पर चीरा नहीं लगाया जाता और मरीज जल्दी स्वस्थ हो जाती है।

डिजिटल पोर्टफोलियो से लेकर सोशल मीडिया प्रमोशन तक बढ़ा स्मार्ट टूल्स का इस्तेमाल

डिजाइनिंग का नया दौर...स्केच नहीं अब एआई से बदल रहा फैशन का ट्रेंड, मिनटों में तैयार हो रही नई डिजाइन

फैशन डिजाइनिंग अब केवल स्केचबुक, पेंसिल और लंबे समय तक चलने वाली डिजाइन प्रक्रिया तक सीमित नहीं रही। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल से रायपुर के फैशन डिजाइनर और बुटीक संचालक भी तेजी से डिजिटल तकनीक अपना रहे हैं।

रायपुर। एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में किसी एक डिजाइन के कई विकल्प तैयार हो रहे हैं। इससे डिजाइन तैयार करने का समय कम हुआ है और ग्राहकों को भी कम समय में अधिक विकल्प मिल रहे हैं। फैशन इंडस्ट्री में एआई का उपयोग डिजाइन तैयार करने, ट्रेंड समझने, डिजिटल पोर्टफोलियो बनाने और सोशल मीडिया प्रमोशन तक बढ़ रहा है। रायपुर की फैशन डिजाइनर रिया मेहरा बताती हैं कि पहले किसी नए कलेक्शन का पोर्टफोलियो तैयार करने में दो से तीन दिन लग जाते थे। अब एआई टूल्स की मदद से कुछ घंटों में डिजिटल पोर्टफोलियो तैयार हो जाता है। ग्राहक को डिजाइन सिलने से पहले ही उसका 3डी जैसा प्रेजेंटेशन दिखाया जा सकता है। इससे डिजाइन में बदलाव करना भी आसान हो गया है।

स्केचिंग में बढ़ रहे नए प्रयोग

फैशन डिजाइनर साक्षी अरोड़ा के अनुसार, पहले एक डिजाइन का स्केच तैयार करने, रंगों का संयोजन तय करने और अलग-अलग विकल्प बनाने में काफी समय लगता था। अब एआई टूल्स कुछ ही मिनटों में 10 से 20 डिजाइन विकल्प तैयार कर देते हैं। डिजाइनर उनमें जरूरी बदलाव कर अंतिम डिजाइन तैयार करते हैं। इससे नए पैटर्न और वेस्टर्न फैशन पर तेजी से प्रयोग हो रहे हैं। कई बुटीक अब नए कलेक्शन के पोस्टर, डिजिटल कैटलॉग और प्रचार सामग्री भी एआई की मदद से तैयार कर रहे हैं। इससे फोटोशूट का खर्च कम होने के साथ प्रचार सामग्री भी जल्दी तैयार हो रही है। डिजाइनरों का कहना है कि ग्राहक अब सोशल मीडिया पर अपनी पसंद के रंग, फैब्रिक और डिजाइन भेज रहे हैं, जिसके आधार पर एआई से शुरुआती डिजाइन तैयार कर उन्हें विकल्प दिखाए जा रहे हैं।

विदेशों में भी बढ़ रहे अवसर

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित डिजाइनिंग, 3डी विजुअलाइजेशन और डिजिटल फैशन टूल्स की जानकारी रखने वाले डिजाइनरों की मांग लगातार बढ़ रही है। इससे देश के साथ-साथ विदेशों की फैशन कंपनियों में भी नए अवसर मिल रहे हैं। हालांकि फैशन डिजाइनरों का कहना है कि एआई केवल काम को तेज करता है, लेकिन अंतिम डिजाइन, रचनात्मकता और फिनिशिंग आज भी डिजाइनर की सोच पर ही निर्भर करती है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रदेश की 100 महिलाओं का हुआ सम्मान

रायपुर। वक्ता मंच एवं जन एकता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अग्रगामी महिला सम्मान समारोह में प्रदेशभर की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे थीं। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, अपराध और मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी गुरुशरण पाल गरचा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मनीषा बी. सिन्हा, डॉ. नलिनी मढ़रिया, डॉ. करुणा कुर्रे, डॉ. प्राची भट्टर, डॉ. रत्ना अग्रवाल, पंडित पी.के. तिवारी, राजकुमार धर द्विवेदी एवं अजीत कुकरेजा उपस्थित रहे।

बाल प्रतिभाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुति

वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि समारोह की शुरुआत बाल प्रतिभाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। इस वर्ष सांप्रदायिक सौहार्द, रंगमंच, फिल्म, जनजागरण, खेल, शिक्षा, चिकित्सा, विधिक सहायता, पत्रकारिता, व्यवसाय, साहित्य, कला, संस्कृति, लोककला, पुलिसिंग और प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं का चयन सम्मान के लिए किया गया। समारोह में मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न पेशों से जुड़ी महिलाओं को अग्रगामी महिला अवार्ड और सम्मान-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रॉ के माध्यम से सारंगढ़ की हीरादेवी निराला को वर्ष 2026 की भाग्यशाली महिला का सम्मान प्रदान किया गया। समारोह का समापन वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

रायपुर। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 06वीं में प्रवेश हेतु सीबीएसईआईटीएमएस डॉट आरसीआईएल डॉट जीओव्ही डॉट इन/एनव्हीएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित किए गए हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि परीक्षा की तिथि 28 नवंबर 2026 दिन शनिवार निर्धारित की गई है।अभ्यर्थी को जिले का निवासी होना चाहिए तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5वीं में जिले के शासकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्ययनरत होना चाहिए। अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के मध्य होना चाहिए। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की फोटो, हस्ताक्षर, अभिभावक का हस्ताक्षर, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधारकार्ड के साथ उक्त वेबसाइट से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो तथा https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs का अवलोकन कर सकते हैं।

रायपुर प्रेस क्लब के हमर पहुना कार्यक्रम में पहुंचे प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर

समाज में बढ़ती हिंसा, अपराध और पारिवारिक विघटन की घटनाएं चिंताजनक, बचाव के लिए नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण आवश्यक

कार्नर न्यूज

रायपुर। प्रेस क्लब के लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम हमर पहुना में रविवार को प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से सीधा संवाद किया। उन्होंने युवाओं के नैतिक और सांस्कृतिक मार्गदर्शन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को भारतीय संस्कृति, गीता और महाभारत जैसे ग्रंथों का अध्ययन कराया जाना चाहिए, जिससे उनमें चरित्र, सत्यनिष्ठा और जीवन मूल्यों का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज को बच्चों में संस्कार आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती हिंसा, अपराध और पारिवारिक विघटन जैसी घटनाएं चिंताजनक हैं तथा इनसे बचाव के लिए नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप भारतीय सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता है।

सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता है

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि देश में सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता है, जिससे मंदिरों, गुरुकुलों और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि मंदिरों की आय का उपयोग धर्म, शिक्षा और समाजहित के कार्यों में अधिक प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने गौ संरक्षण, संस्कारयुक्त शिक्षा और भारतीय परंपराओं को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता बताई। शिक्षा व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बॉलीवुड गीतों की बजाय सावित्री, सीता, रानी लक्ष्मीबाई जैसे प्रेरणादायी चरित्रों से परिचित कराया जाना चाहिए। उनके अनुसार गुरु और शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की भी होनी चाहिए।

स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया आत्मीय स्वागत

इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े ने उनका पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि हमर पहुना कार्यक्रम का उद्देश्य समाज, संस्कृति, साहित्य, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों को पत्रकारों के बीच संवाद के लिए आमंत्रित करना है, जिससे समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हो सके। उन्होंने देवकीनंदन ठाकुर का रायपुर प्रेस क्लब आगमन पर आभार व्यक्त किया।

● हरिभूमि और आईएनएच 24×7 ने शिवा प्राइम सोसायटी में की अनूठी पहल, सजा अपना अपार्टमेंट- अपना उत्सव

इन-आउट और स्टेच्यू गेम्स के बीच बच्चों की मौज मस्ती, म्यूजिकल चेयर रेस में वुमन्स ने दिखाया दम

इन-आउट और स्टेच्यू गेम्स के बीच महावीर नगर स्थित शिवा प्राइम सोसायटी में बच्चों ने मौज-मस्ती का वातावरण निर्मित किया। यह अवसर हरिभूमि और आईएनएच 24×7 द्वारा शुरू की गई अनूठी पहल ने लोगों को दिया। हरिभूमि और आईएनएच 24×7 ने म्यूजिकल चेयर रेस में भी महिलाओं और बच्चों को 'अपना अपार्टमेंट-अपना उत्सव' की श्रृंखला में सोसायटी के बीच उत्सव का माहौल निर्मित करने का अवसर दिया। वहीं, सोसायटी के प्रबुद्धजनों ने कई सम-सामयिक विषयों और समस्याओं को लेकर संवाद किया।

रायपुर। हर रविवार को 'हरिभूमि' और 'आईएनएच 24×7' द्वारा शहर की अलग-अलग सोसायटियों में रहने वाले लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की मुहिम तेज की गई है। रविवार को दोपहर 12 से 3 बजे के बीच शिवा प्राइम सोसायटी के अध्यक्ष भूवन टेम्भरे, उपाध्यक्ष गौरव केवलानी, सचिव सुजित सुमन, कोषाध्यक्ष सिकंदर कुमार तथा सलाहकार दिलीप मिश्रा और हेमंत लहेजा मंच पर उपस्थित रहे। इस दौरान हरिभूमि और आईएनएच 24×7 की टीम (जिसमें आशिष दास महंत, सुमित महोबिया, तोरण लाल साहू और राजश्री शामिल थे) ने सभी का स्वागत किया। इसके साथ अपना अपार्टमेंट-अपना उत्सव का सिलसिला शुरू हुआ। पहली कड़ी में बच्चों के बीच इन-आउट गेम का क्रम चला। इसमें एक-एक करके कम होते प्रतिभागियों के बीच बढ़ती चुनौतियों ने मनोरंजक वातावरण सोसायटी के लोगों को दिया। इसके बाद अलग-अलग मुद्रा में स्चेच्यू बनने की होड़ मची।

सोसायटी की वुमन्स के बीच रोचक चेयर रेस

बच्चों के बीच लगातार दो गेम्स होने पर वह पल भी आया, जब दर्शक दीर्घा में बैठी महिलाएं म्यूजिकल चेयर रेस में हिस्सा लेने आगे आईं। कई चरणों में एक-एक करके कम होती महिलाओं के बीच रितु टेम्भरे ने बाजी मारी। लोगों ने तालियों से उनका स्वागत किया। इसके बाद म्यूजिकल चेयर रेस का हिस्सा बनने के लिए बच्चे भी आगे आए। इनमें जीवी इसरानी, स्टेच्यू गेम में अवन्या मसीह और इन-आउट गेम में अनाया चौकसे विजेता रहीं। इन्हें हरिभूमि और आईएनएच की ओर से गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया गया।

वरिष्ठजनों और न्यूज एजेंसी का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शहर की समस्याओं के साथ ही समाचार में किस तरह की विविधता चाहते हैं, जैसे कई विषयों पर लोगों की राय ली गई। इसमें सोसायटी के पदाधिकारियों ने भी अपना पक्ष रखते हुए कई रोचक सुझाव दिए। इसके बाद वह समय भी आया जब इस उत्सव को सार्थक बनाने के लिए वरिष्ठजनों डॉ. मनोहर लहेजा, सीताराम सोनी और ब्रम्हदेव गुप्ता का सम्मान किया गया। इस कड़ी में न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र में समाचार पत्र वितरण का दायित्व निभाने के लिए भारत प्रधान का भी सोसायटी के लोगों के बीच सम्मान किया गया।

सिटी लाइव

तीन साल बाद होगा मुखी सम्मेलन, मीटिंग में चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत का प्रदेश स्तरीय मुखी सम्मेलन 19 जुलाई को तिल्दा में रखा गया है। तैयारियों में लगी रायपुर की समूची टीम सोमवार को वृंदावन हाल में जुटेगी। महापंचायत के प्रवक्ता दिनेश आनंद अठवानी, संयोजक चेतन तारवानी, इंदर डोडवानी, किशोर आहूजा, गोविंद वाधवानी ने यह जानकारी दी। वहीं, छग सिंधी सेवा महापंचायत के संस्थापक श्रीचंद सुंदरानी, चेम्बर ऑफ कामर्स अध्यक्ष सतीश थौरानी, पंचायत अध्यक्ष अमर गिदवानी, महासचिव जितेन्द्र बडवानी ने बताया कि चार वर्ष पूर्व शुरू हुए मुखी सम्मेलन को एक वर्ष बाद बरकरार नहीं रख पाए। इसलिए, महापंचायत ने इसे बरकरार रखते हुए मुखी सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने होगा मंथन

सिंधी समाज में फैली कुरीतियों को लेकर समाज प्रमुख चिंतित हैं। अधिक उम्र (30-40 वर्ष) के युवाओं का विवाह समय पर न होना और जिम्मेदारियों का बोध न होने से परिवार का समूचा भार आज भी माता-पिता के बूढ़े और कमजोर कंधों पर है। समाज के युवाओं की जुआ और सट्टे में संलिप्तता, समाज के बुजुर्गों पर दोहरी मार जैसी हो गई है। इन विषयों का समाधान खोजने के लिए युवा अध्यक्ष महेश आहूजा, वरिष्ठ राधा राजपाल, महिला अध्यक्ष भावना कुकरेजा, युवा महिला अध्यक्ष राशि बलवानी ने सोमवार को होने वाली बैठक में संवाद से समाधान निकालने का निर्णय लिया है।

भागवत कथा समाज को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम

रायपुर। बूढ़ापारा के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में जारी श्रीमद्भागवत कथा में सीएम विष्णु देव साय शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान देवकीनंदन ठाकुर महाराज द्वारा वाचन की जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया। सीएम श्री साय ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवद्नाम के महत्व पर आधारित प्रसंग का एकाग्र भाव से श्रवण किया तथा कहा कि आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में ऐसी धार्मिक कथाओं की अहम भूमिका है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीवलोचन महाराज, पवन साय, नंदन जैन, योगेश अग्रवाल प्रमुख रूप से मौजूद थे।

सांस्कृतिक वैभव को मिली नई पहचान

सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। यह प्रभु श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। भगवान श्रीराम ने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर व्यतीत किया। इसके कारण राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान और अधिक गौरवशाली बनती है। शिवरीनारायण माता शबरी की तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम और माता शबरी के दिव्य मिलन की स्मृतियां आज भी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करती हैं। राजिम स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष होने वाला कुंभ देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्माचार्यों का आगमन होता है, जिससे छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिलती है।

बच्चों में धार्मिक संस्कार विकसित करने पर रहेगा विशेष फोकस

रायपुर। राजधानी की दादाबाड़ी में इस वर्ष प्रवर्तिनी निपुणा श्रीजी महाराज की शिष्या पूज्य मंजुला श्रीजी महाराज साहिबा का चातुर्मास आयोजित होगा। इस बार चातुर्मास की विशेष थीम बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों का विकास रखी गई है। आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को जैन धर्म और संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, प्रत्येक रविवार को विशेष शिविर आयोजित होंगे, जिनमें बच्चों को अष्टप्रकारी पूजन के माध्यम से परमात्मा की पूजा-विधि सिखाई जाएगी। इसके अलावा उन्हें नियमावली पत्रक वितरित किए जाएंगे, जिनमें प्रतिदिन माता-पिता को वंदन, पूजन एवं दैनिक धार्मिक गतिविधियों का पालन करने की प्रेरणा दी जाएगी। निर्धारित नियमों का पालन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य बच्चों के जीवन में संस्कारों का बीजारोपण करना है।

25 जुलाई से चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ

समिति ने बताया कि 19 जुलाई को पूज्य मंजुला श्रीजी महाराज का मंगल प्रवेश होगा, जबकि 25 जुलाई से चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ होगा। चातुर्मास के सफल संचालन के लिए 'आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026' आयोजन समिति का गठन किया गया है। सर्वसम्मति से बसंत लोढ़ा अध्यक्ष, धर्मराज बेंगानी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रशांत लूनिया एवं कमलेश चौपड़ा उपाध्यक्ष, मुकेश निम्माणी महासचिव, चिंतन मालू कोषाध्यक्ष तथा अभिषेक गोलछा और मानस कोचर को सहसचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, निलेश गोलछा को प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन समिति ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर चातुर्मास को सफल बनाने की अपील की है।

इवेंट लाइव

असुरक्षित माहौल में सुरक्षा देने मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण शुरू

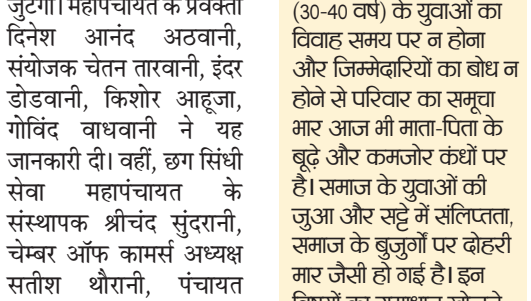

रायपुर। वातावरण में बढ़ती असुरक्षा के बीच छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा की बारीकियां सिखाना बेहद जरूरी है। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ उत्तम संस्कार और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देना शुरू किया है। प्रतिदिन सुबह छह से सात बजे तक मार्शल आर्ट शिक्षक मनीष बाघ बच्चों को प्रशिक्षण देते हैं। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि मनीष बाघ कई सालों से बच्चों को कराटे प्रशिक्षण दे रहे हैं। कराटे प्रशिक्षण शारीरिक फिटनेस, आत्मरक्षा और मानसिक संतुलन के लिए बेहतरीन है। कोई भी व्यक्ति इसे किसी भी उम्र में शुरू कर सकता है, लेकिन पांच- छह साल की उम्र इसके लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है।

शारीरिक शक्ति से अधिक मानसिक एकाग्रता का महत्व

यह शरीर का लचीलापन और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। प्रतिदिन सबसे पहले बच्चों को पांच मिनट शांत बैठाया जा रहा है। कराटे में शारीरिक शक्ति से अधिक मानसिक एकाग्रता का महत्व है। दूसरा चरण आधारभूत होता है, जिसमें सही संतुलन बनाने के लिए पैरों को भी सही स्थिति में रखना सिखाया जाता है। फिर पंच सिखाए जाते हैं, जिसमें बच्चे अपने हाथ को हिप्स से घुमाते हुए सीधे लक्ष्य पर प्रहार करते हैं। वहीं, किक्स में घुटने को ऊपर उठाकर आगे की तरफ (माये-गेरी) या साइड में किक मारने का अभ्यास कराया जाता है। इसमें छात्र-छात्राओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए इसे नियमित रूप से करवाया जा रहा है।

कार्नर न्यूज

संगोष्ठी में साहित्यकारों ने पुस्तक की सराहना की, लेखिका ने साझा किए आत्मकथा लेखन के अनुभव

आत्मकथा अम्मा की हीरकनी लिखने की प्रेरणा शोधार्थियों और समाजसेवियों से मिली : डॉ. सत्यभामा

रायपुर। हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी की वरिष्ठ लेखिका डॉ. सत्यभामा की नई किताब अम्मा की हीरकनी का विमोचन एवं संगोष्ठी का आयोजन सिविल लाइन स्थित विमतारा में किया गया। इस दौरान साहित्य से जुड़े कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लेखिका डॉ. सत्यभामा ने अपने उद्बोधन में कहा, यह मेरे लिए अविस्मरणीय पल है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि आज यह कार्यक्रम हो पाएगा। अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण मुझे लगा था कि शायद यह आयोजन नहीं हो सकेगा, लेकिन मेरे बच्चों ने मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने बताया कि आत्मकथा अम्मा की हीरकनी लिखने की प्रेरणा उन्हें उनके शोधार्थियों और समाजसेवियों से मिली। उन्होंने कहा कि वर्षों से लोग उनसे उनके जीवन, साहित्य, शिक्षा और सामाजिक कार्यों के अनुभवों को आत्मकथा के रूप में लिखने का आग्रह कर रहे थे, लेकिन उनका मन तैयार नहीं था। लगभग तीन वर्ष पहले उन्होंने आत्मकथा लिखने का निर्णय लिया। डॉ. सत्यभामा ने कहा कि वर्ष 2020 में उनके पति के निधन के बाद मानसिक रूप से स्वयं को संभालना कठिन था। लंबे चिंतन और आत्ममंथन के बाद उन्होंने मन को स्थिर कर आत्मकथा लिखना शुरू किया।

हर भूमिका में दिया अपना श्रेष्ठ

कार्यक्रम में पुस्तक की समीक्षा डॉ. कल्पना मिश्रा ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. सत्यभामा ने जीवन के प्रत्येक अवसर को सार्थक बनाया और हर भूमिका में अपना श्रेष्ठ दिया। उनकी आत्मकथा जीवन के संघर्ष, संतोष, समन्वय और सह-अस्तित्व का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि लेखिका ने जीवन के हर अनुभव को सहजता से स्वीकार किया और यही उनकी सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने पुस्तक की समीक्षा का अवसर मिलने को अपना सौभाग्य बताया।

किताब ने किया मंत्रमुग्ध

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. शिवकुमार पांडे, विशिष्ट अतिथि विवेकानंद विद्यापीठ के संचालक डॉ. ओमप्रकाश वर्मा तथा छत्तीसगढ़ राज्य भाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्र उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. सत्यभामा के साहित्यिक योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन विजय मिश्र ने किया। उन्होंने कहा कि उन्हें छह दिन पहले यह पुस्तक मिली थी और पढ़ना शुरू करने के बाद वह उसे बीच में छोड़ नहीं सके। उन्होंने उपस्थित लोगों से पुस्तक खरीदकर पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि यह पुस्तक पाठकों को जीवन के अनेक अनुभवों से रूबरू कराती है।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रमंडल खेल के लिए छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी भारतीय टीम में

रायपुर। ग्लासगो, यूनाइटेड किंगडम में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 23 जुलाई से 3 अगस्त तक किया जा रहा है। इस विश्वस्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ की बेटी देश के बाहर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी यादव का चयन इस राष्ट्रमंडल खेल के लिए भारतीय टीम में किया गया है। ज्ञानेश्वरी यादव लगातार राष्ट्रीय खेलो में पदक हासिल करती आ रही है। भारतीय भारोत्तोलन टीम का अनुकूलन प्रशिक्षण शिविर 28 जून से 22 जुलाई तक बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम में जारी है। ज्ञानेश्वरी के चयन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन, विक्रम सिसोदिया महासचिव छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन एवं समस्त पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है।

अंतरराष्ट्रीय रेफरी किरण जूडो चैंपियनशिप जॉर्डन में लेंगी हिस्सा

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय जूडो रेफरी किरण शर्मा का चयन एशियन कैडेट एंड जूनियर जूडो चैंपियनशिप में रेफरी के रूप में किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 16 से 19 जुलाई तक अम्मान (जॉर्डन) में आयोजित होगी। किरण शर्मा 13 जुलाई को भारत से जॉर्डन के लिए रवाना होंगी। इस प्रतियोगिता में उन्हें रेफरी के रूप में आमंत्रित किया गया है, जहां वे विभिन्न देशों के जुडो खिलाड़ियों के मुकाबलों में निर्णायक के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। इससे पूर्व भी किरण अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिताओं में रेफरी के रूप में दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुकी हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष, किरण शर्मा के कोच एवं प्रेरणास्रोत अरुण द्विवेदी तथा संघ के महासचिव शंभूराम सोनी ने भी उन्हें इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं है।

रायपुर संभाग स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में महासमुंद 5वीं बार विजेता

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 07 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें रायपुर, धमतरी, गरियाबंद एवं महासमुंद जिले की टीम शामिल हुई।

नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में महासमुंद जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा विकासखंड के बालक 17 वर्ष में सागर सेन, सागर चंद्राकर, हर्ष बघेल, देवेश चंद्राकर, टोमेश चंद्राकर, सेवक राम, जय चंद्राकर, खिलेश्वर साहू, अरविंद विश्वकर्मा, देवेंद्र ध्रुव, गणेश्वर, जोहन कोसरे, लीलेश्वर साहू, अनुज यादव, निहाल यादव एवं जीतू ध्रुव शामिल हुए। महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया एवं फाइनल मैच में गरियाबंद को हराकर विजेता बने। मैच में मुख्य रूप से सागर सेन राष्ट्रीय खिलाड़ी, सागर चंद्राकर, हर्ष, देवेश, टोमेश, सेवकराम और अरविंद ने अपने खेल कौशल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम को फाइनल तक पहुंचाया एवं फ़ाइनल मैच में गरियाबंद को 3-1 से हराकर जिले को विजेता बनाया। ग्रामीण क्षेत्र बेमचा के बालक 17 वर्ष के खिलाड़ियों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में लगातार 5वें साल भागीदारी करते हुए फाइनल में जगह बनाई एवं संभाग विजेता बनने के साथ ही शासकीय उ मा वि बेमचा के 16 खिलाड़ी राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाने में सफल रहे हैं।

राज्य स्तरीय एवं वेस्ट जोन बैडमिंटन स्पर्धा की तैयारी

रायपुर। बिलासपुर जिला बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में सीनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के साथ वेस्ट जोन की महत्वपूर्ण स्पर्धा न्यायधानी में आयोजित होगी। प्रतियोगिता की कड़ी में 25 से 29 अगस्त तक राज्य स्तरीय सीनियर प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें लगभग 200 बालक बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। वेस्ट जोन बैडमिंटन में 5 राज्यों क्रमशः गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम भाग लेगी. जिसमें लगभग इन राज्यों के 90 खिलाड़ियों के साथ कोच, मैनेजर, रेफरी अंपायर सहित लगभग 150 की संख्या में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर चुके खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

सेहतमंद रहना है तो त्रिदोष को बनाना होगा संतुलित

हमारे शरीर को नियंत्रित करते हैं कफ, पित्त और वात बारिश के मौसम में त्रिदोष का संतुलन है बेहद जरूरी

आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर वात, पित्त और कफ इन तीन ऊर्जाओं से मिलकर बना है। ये दोष हमारे शरीर के सभी कामों को नियंत्रित करते हैं, और इनका संतुलन ही हमें स्वस्थ रखता है।

आज की आधुनिक जीवनशैली में हम अक्सर शरीर के भीतरी संतुलन को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि हमारा प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान 'आयुर्वेद' हमें स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के गहरे रहस्य सिखाता है। आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर केवल हड्डियां और मांसपेशियां नहीं, बल्कि तीन मूलभूत जैविक ऊर्जाओं या 'दोषों'- वात, पित्त और कफ से मिलकर बना है।

ये तीनों दोष हमारे शरीर की हर छोटी-बड़ी क्रिया को नियंत्रित करते हैं- चाहे वह सांस लेने की प्रक्रिया हो, भोजन का पाचन हो, या हमारे विचार और भावनाएं हों। प्रत्येक व्यक्ति में इन दोषों का एक अनूठा संतुलन होता है, जो उसकी खास शारीरिक बनावट, मानसिक स्वभाव और यहां तक कि बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता को निर्धारित करता है।

आयुर्वेद का मूल सिद्धांत यही है कि जब ये दोष आपस में संतुलित रहते हैं, तो हम पूरी तरह स्वस्थ रहते हैं। लेकिन जैसे ही इस संतुलन में कोई गड़बड़ी आती

है, शरीर में बीमारी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं।

वात दोष

वात दोष वायु (हवा) और आकाश (स्थान) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर में सभी प्रकार की गति को नियंत्रित करता है, जैसे सांस लेना, रक्त संचार, दिल की धड़कन, मांसपेशियों का हिलना और तंत्रिका तंत्र के संदेश। वात प्रधान लोग आमतौर पर दुबले-पतले, फुर्तीले और रचनात्मक होते हैं।

संतुलित वात होने पर व्यक्ति में उत्साह, तेजी से सोचने की क्षमता और अच्छी ऊर्जा होती है। लेकिन, जब वात असंतुलित होता है, तो व्यक्ति को जोड़ों में दर्द, कब्ज, गैस, त्वचा में सूखापन, अनिद्रा (नींद न आना), चिंता और घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ठंडा, सूखा या हल्का भोजन, ज्यादा तनाव और अनियमित दिनचर्या वात को बढ़ा सकते हैं।

पित्त दोष

पित्त दोष अग्नि (आग) और जल (पानी) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर में पाचन, चयापचय और सभी प्रकार के परिवर्तन को नियंत्रित करता है। यह भोजन को ऊर्जा में बदलने, बुद्धि और भावनाओं को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पित्त प्रधान लोग अक्सर मध्यम कद-काठी के, तीव्र बुद्धि वाले और दृढ़ निश्चयी होते हैं।

संतुलित पित्त वाले लोग अच्छा पाचन, तेज दिमाग और नेतृत्व क्षमता रखते हैं। लेकिन, पित्त के असंतुलित होने पर एसिडिटी, पेट में जलन, त्वचा पर दाने या मुंहासे, गुस्सा, चिड़चिड़ापन और ज्यादा पसीना आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। तीखा, खट्टा, बहुत गर्म भोजन और ज्यादा गुस्सा पित्त को बढ़ा सकते हैं।

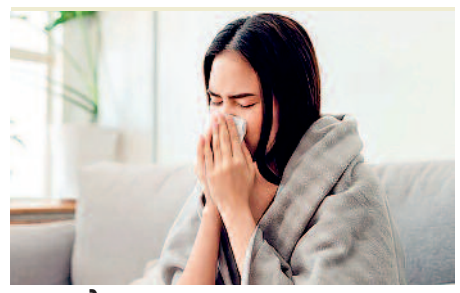

कफ दोष

कफ दोष पृथ्वी (मिट्टी) और जल (पानी) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर को स्थिरता, संरचना, चिकनाई और प्रतिरक्षा प्रदान करता है। यह जोड़ों को चिकना रखता है, शरीर को शक्ति देता है और कोशिकाओं का विकास करता है। कफ प्रधान लोग आमतौर पर मजबूत और सहनशील होते हैं।

संतुलित कफ होने पर व्यक्ति में स्थिरता, धैर्य, अच्छी नींद और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है। लेकिन, कफ के असंतुलित होने पर वजन बढ़ना, सुस्ती, आलस, सर्दी-खांसी, बलगम, साइनस की समस्या और डिप्रेशन जैसी परेशानियां हो सकती हैं। मीठा, भारी, तैलीय भोजन, कम शारीरिक गतिविधि और ज़्यादा सोना कफ को बढ़ा सकता है।

आयुर्वेद सिखाता है कि हर व्यक्ति में ये तीनों दोष मौजूद होते हैं। स्वस्थ रहने के लिए इन दोषों को संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

आपने भी कम कर दी है भोजन की खुराक तो जान लें नतीजे

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए या फिटनेस मेंटेन रखने के लिए अपने भोजन की मात्रा कम कर देते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए इस लेख में डॉक्टर से जानते हैं कि आहार में बदलाव करने का सही तरीका क्या है?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई फिट और स्वस्थ रहना चाहता है, और इसके लिए अक्सर लोग सबसे पहले अपने वजन को कम करने पर ध्यान देते हैं। अब वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में दिमाग में सबसे पहला विचार यही आता है कि क्यों न खाने की मात्रा को एकदम से कम कर दिया जाए। यही सोचकर, बहुत से लोग अपनी डाइट से भोजन की खुराक अचानक घटा देते हैं, यह मानते हुए कि यह वजन घटाने का सबसे तेज तरीका है।

लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि वजन कम करने का यह तरीका, जो दिखने में आसान लगता है, असल में आपकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है? हेल्थ

एक्सपर्ट डॉक्टर मल्हार गाणला जैसे विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि भोजन की मात्रा को बेवजह कम करना वजन घटाने का सही तरीका नहीं है, बल्कि इसके कई गंभीर और नुकसानदायक परिणाम हो सकते हैं। आइए इस लेख में हम विस्तार से जानते हैं कि ऐसा करना क्यों घातक है साथ ही ये भी जानेंगे कि वजन को नियंत्रित करने के लिए आहार में किस तरह का बदलाव किया जाना चाहिए।

पोषक तत्वों की कमी

जब आप अचानक अपनी डाइट से खाने की मात्रा कम कर देते हैं, तो सबसे पहले आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए विटामिन, खनिज, प्रोटीन और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों की हर दिन जरूरत होती है। जब आप सिर्फ कैलोरी कम करने के चक्कर में खाने की मात्रा घटा देते हैं, तो आप जाने-अनजाने में इन जरूरी पोषक तत्वों से भी समझौता कर रहे होते हैं।

बरसात में कोरियन जायके के साथ बनाएं खास चीला

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा।

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा। कोरियन पैनकेक को पेजन कहा जाता है, और इसे आप सब्जियों के साथ या बिना भी बना सकते हैं। इसमें खास बात यह है कि यह पैन फ्राय होता है और बहुत कम तेल में क्रिस्पी बनता है।

कोरियन पैनकेक बनाने की सामग्री

एक कप मैदा, दो चम्मच चावल का आटा,आधा कप बारीक कटी हरी प्याज, बारीक कटा गाजर, शिमला मिर्च पत्ता गोभी,दो कलियां कद्दूकस की हुई लहसुन,नमक,एक चम्मच सोया सॉस, घोल बनाने के लिए एक कप पानी,तलने के लिए रिफाइंड ऑयल, तेल या घी

कोरियन पैनकेक कैसे बनाते हैं?

एक कटोरे में मैदा, चावल का आटा, नमक और पानी डालकर पतला घोल बनाएं। इसमें सारी कटी सब्जियां, लहसुन और सोया सॉस मिलाएं। एक नॉनस्टिक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल डालें। अब घोल को पैन में डालें और चम्मच से थोड़ा फैला दें, जैसे चीला या डोसा फैलाते हैं। दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेकें। चटनी या हॉट सॉस के साथ गर्मागर्म परोसें।

मंदिर जाने का सही समय नियम और मान्यताएं जानें

मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक विकास की चाह में लोग मंदिरों का रुख करते हैं। यहां पहुंचकर भक्त अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना करते हैं, दर्शन करते हैं और प्रसाद, फूल, माला या हवन सामग्री अर्पित करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर जाने का सबसे शुभ समय ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय का माना गया है। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः लगभग 4 बजे से शुरू होता है और इस दौरान वातावरण बेहद शांत और शुद्ध होता है। इस समय मन एकाग्र रहता है और सकारात्मक ऊर्जा का स्तर उच्च होता है। मंदिरों में इसी समय भगवान का अभिषेक, पूजा और मंगला आरती होती है, जिसमें शामिल होने के लिए भक्त सुबह-सुबह पहुंचते हैं। यदि किसी कारणवश ब्रह्म मुहूर्त में जाना संभव न हो, तो सूर्योदय के समय या उसके थोड़ी देर बाद मंदिर जाना भी शुभ माना जाता है।

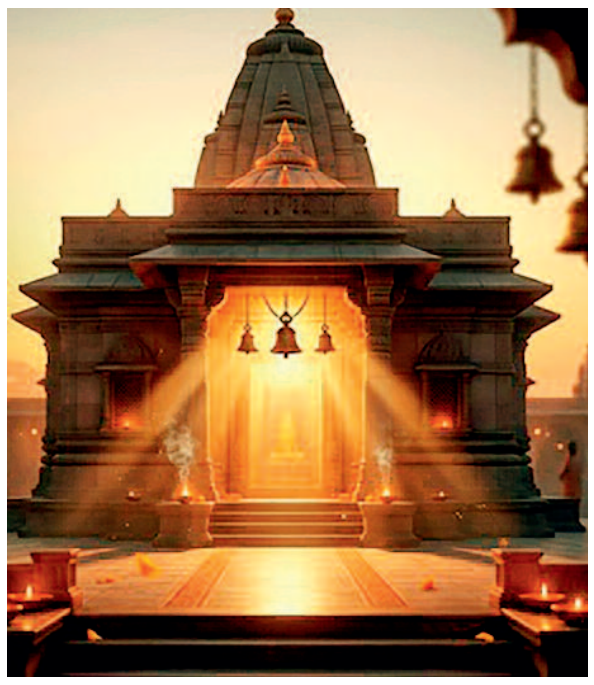

दोपहर के समय मंदिर जाना उपयुक्त नहीं माना जाता। इस दौरान भगवान के श्रृंगार और भोग की प्रक्रिया होती है, जिसके बाद उन्हें विश्राम दिया जाता है। कई मंदिरों में इस समय कपाट बंद कर दिए जाते हैं, जिससे दर्शन नहीं हो पाते।

अगर सुबह मंदिर नहीं जा पाएं, तो सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में जाना भी अच्छा विकल्प है। इस समय संध्या आरती होती है और पूजा के लिए यह समय भी शुभ माना गया है। हालांकि, देर रात मंदिर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि उस समय भगवान के शयन का समय होता है और आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

ग्रहण काल चाहे सूर्य ग्रहण हो या चंद्र ग्रहण, में मंदिर जाना वर्जित माना जाता है, क्योंकि उस समय मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण के पश्चात ही दर्शन की अनुमति मिलती है।

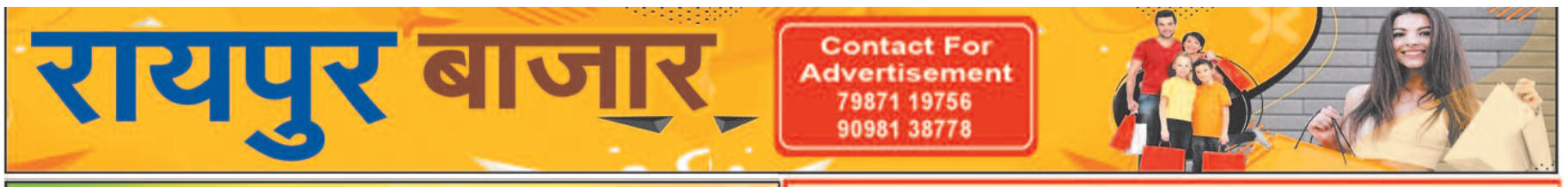

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

पति-पत्नी के तौर पर पहली बार नजर आए स्विफ्ट और ट्रैविस

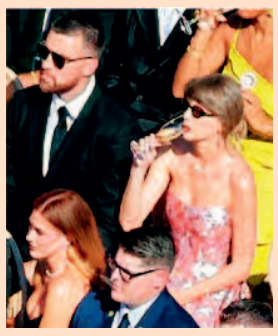

टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स ने अपनी शादी की तस्वीरें अभी तक पब्लिक नहीं की हैं। मगर इस नए जोड़े ने फैंस को अपनी शादीशुदा जिंदगी की पहली झलक दिखा दी है। न्यूयॉर्क में शादी करने की खबरों के ठीक एक हफ्ते बाद, इस जोड़े को पहली बार पति-पत्नी के तौर पर एक-साथ देखा गया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टेलर और ट्रैविस कैलिफोर्निया के ऑरेंज काउंटी में जूजू स्मिथ-शुस्टर और लॉरा क्रुक की शादी में शामिल हुए। दोनों को वेन्यू में हाथ में हाथ डाले चलते हुए देखा गया। एक-साथ वे काफी खुश लग रहे थे। उनमें नए-नए शादीशुदा जोड़े वाली चमक साफ दिख रही थी।

यह तस्वीरें तब सामने आईं, जब ऐसी खबरें थीं कि टेलर और ट्रैविस ने तीन जुलाई को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक शानदार समारोह में शादी की थी। जूजू और लॉरा की शादी में उनकी मौजूदगी उनकी अपनी शादी के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति है। इसलिए यह पल उनके फैंस के लिए भी खास बन गया।

टेलर ने इस मौके के लिए एक शानदार स्ट्रैपलेस गाउन चुना। इस पर गुलाबी रंग के फूल बने हैं। वहीं, ट्रैविस ने क्लासिक ग्रे सूट पहना। उन्होंने इसके साथ सफेद शर्ट, मैचिंग टाई, काले लेदर के जूते और डार्क सनग्लासेस पहने थे।

भले ही उनकी हालिया तस्वीरें वायरल हो गई हैं, लेकिन फैंस अभी भी टेलर और ट्रैविस की अपनी शादी की आधिकारिक तस्वीरों का इंतजार कर रहे हैं।

टॉलीवुड

'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी रौबदार अंदाज में नजर आए थलापति

फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। यह जानकारी खुद विजय ने साझा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय की यह फिल्म इस साल की शुरुआत में रिलीज होनी थी, मगर सेंसर बोर्ड में अटके होने की वजह से ऐसा नहीं हो सका। मगर, अब इसकी रिलीज पर मुहर लग गई है।

थलापति विजय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें विजय का नया लुक देखा जा रहा है। अंदाज काफी रौबदार है। पोस्टर पर बैकग्राउंड में बड़ा सा 'ए' लिखा है। साथ ही लिखा है, 'सर्टिफाइड' और 'कमिंग सून'। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है। जल्द ही इसे रिलीज किया जाएगा।

फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। दरअसल, कनाडा के एक डिस्ट्रीब्यूटर ने इस बात का इशारा दिया है कि यह फिल्म आखिरकार 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कनाडा के डिस्ट्रीब्यूटर योर्क सिनेमाज ने बीते दिनों एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'आखिरकार, हमारे अपने थलापति विजय 'जन नायकन' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। कनाडा में यॉर्क सिनेमाज द्वारा रिलीज। 24 जुलाई से सिनेमाघरों में धूम मचेगी। एक शानदार थिएटर अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। टिकटों के लिए जुड़े रहिए।' हालांकि फिल्म के मेकर्स ने अभी तक रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

भोजपुरी

हरियाणवी सिंगर-कंपोजर के साथ काम करेंगी अक्षरा, शेयर कीं तस्वीरें

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी।

भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है।

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजंस उत्साह जाहिर कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं- 'अरे वाह, दो फेवरेट सिंगर्स।' वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'हम बहुत उत्साहित हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'जरूर कुछ बवाल आने वाला है। हरियाणवी के साथ अपना भोजपुरी स्वैग देखने को मिलेगा'। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

अब तक, इलास्टिक वेस्टबैंड का इस्तेमाल ज़्यादातर बड़े साइज़ के कपड़ों, पजामों, काम के कपड़ों और बच्चों के कपड़ों में ही होता था। स्पोर्ट्सवियर में भी इलास्टिक वेस्टबैंड को पसंद किया जाता है। अब फ़ैशन की दुनिया ने भी इस ट्रेंड को अपना लिया है और स्ट्रेची वेस्टबैंड वाली 'पुल-ऑन' ट्राउज़र और स्कर्ट्स पेश कर रही है। ये फ़्लाइट, लंबी कार यात्रा या ऑफ़िस के दिनों के लिए एकदम सही हैं।

फेस शेप के हिसाब से चुनें सनग्लास, निखरेगा चेहरा

सहा सनग्लासज आपक चहर क आकार क अनुसार चुना जाना चाहिए। ओवल फेस पर लगभग सभी फ्रेम अच्छे लगते हैं, राउंड फेस पर स्क्वायर या रेकटैंगुलर फ्रेम, स्क्वायर फेस पर राउंड या एविएटर, हार्ट फेस पर एविएटर या बटरफ्लाई और डायमंड फेस पर कैट आई या ओवर फ्रेम्स सबसे बेहतर माने जाते हैं। सही फ्रेम आपके चेहरे का संतुलन बनाए रखता है और लुक को अधिक स्टाइलिश बनाता है। धूप से आखों की सुरक्षा के साथ ही फैशन और स्टाइल के लिए सनग्लासेज एक अहम एक्सेसरीज है। लेकिन अक्सर लोग केवल ट्रेंड देखकर सनग्लास खरीद लेते हैं। बाद में उन्हें महसूस होता है कि वो सनग्लास तो उनके चेहरे पर उतने अच्छे लग ही नहीं रहे। इससे उनका लुक और पर्सनैलिटी दोनों खराब नजर आती है।

उचश्मा खरीदते समय भी आपको ये ध्यान रखना होता है कि उसके फ्रेम आपके चेहरे पर जंच रहे हैं या नहीं। यहीं पर लोग गलती कर जाते हैं जब वह फेस शेप के अनुसार सही फ्रेम का चुनाव नहीं करते। हर व्यक्ति का चेहरा अलग होता है। किसी का चेहरा ओवल होता है तो किसी का गोल, स्क्वायर, हार्ट शेप या डायमंड शेप का। हर फेस शेप पर एक जैसा फ्रेम

अच्छा नहीं लगता। सही फ्रेम आपके चेहरे की विशेषताओं को उभारता है, संतुलन बनाता है और आपके पूरे लुक को अधिक आकर्षक बना देता है। वहीं गलत फ्रेम आपके चेहरे की बनावट को असंतुलित दिखा सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका चश्मा सिर्फ फैशनेबल नहीं, बल्कि आपकी पर्सनैलिटी पर भी पूरी तरह सूट करे, तो सबसे पहले अपने चेहरे के आकार यानी फेस शेप की पहचान करें। उसके हिसाब से देखें कि आप पर कैसे सनग्लासेज या फ्रेम अच्छे लगेंगे। आइए जानते हैं कि किस चेहरे पर कान-सा सनग्लासज सबस ज्यादा स्टाइलश और परफेक्ट दिखाई देता है।

ओवल फेस वालों के लिए सबसे आसान चुनाव

अगर आपका चेहरा ओवल शेप का है, तो आप सबसे भाग्यशाली माने जाते हैं। क्योंकि इस फेस शेप पर लगभग हर तरह का फ्रेम अच्छा लगता है। वेफेयरर, गोल, ओवरसाइज्ड, स्क्वायर और एविएटर जैसे लगभग सभी सनग्लासेज आपके चेहरे पर आसानी से सूट कर सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखें कि फ्रेम आपके चेहरे के अनुपात से बहुत बड़ा या बहुत छोटा न हो।

गोल चेहरे पर एंगुलर फ्रेम देते हैं स्मार्ट लुक

राउंड फेस में गाल भरे हुए और चेहरे की चौड़ाई व लंबाई लगभग समान होती है। ऐसे चेहरे पर स्क्वायर, रैक्टैन्गुलर और वायफेरर जैसे एंगुलर फ्रेम चेहरे को लंबा और अधिक शार्प दिखाते हैं। बहुत ज्यादा गोल फ्रेम पहनने से चेहरा और भी गोल दिखाई दे सकता है।

इस स्क्रब से आप भी कर सकती हैं डार्क एल्बो को कम, जानें बनाने का तरीका

महिलाएं न सिर्फ अपने चेहरे की खूबसूरती बल्कि हर छोटी-छोटी चीजों का बहुत ध्यान रखती हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं कोहनी के कालेपन की वजह से काफी परेशान रहती है। अगर आप भी कोहनी पर जमी टैनिंग और गंदगी को कम करना चाहती है, तो ब्यूटी एक्सपर्ट के बताएं कुछ आसान उपाय को आजमा सकती हैं। इन उपाय को कर आप राहत पा सकती हैं।

टैनिंग रिमूवल स्क्रब

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक कोहनी पर जमा कालापन शर्मिंदगी का कारण बन सकता है, जिसकी वजह से अधिकतर महिलाएं परेशान रहती हैं। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर रहकर एक खास स्क्रब तैयार कर इससे छुटकारा पा सकती हैं। स्क्रब बनाने के लिए आपको शहद,ओट्स,चीनी और नींबू का रस जैसी कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी।

कोहनी के कालेपन को कम करने के लिए अगर आप भी घर पर स्क्रब बनाने का सोच रही हैं, तो इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप

ओट्स को मिक्सर या ब्लेंडर की मदद से पीस लें। ध्यान रहे आपको इन्हें ज्यादा बारीक आते जैसा नहीं करना है। आप इसे दरदरा रखें। अब आप ओट्स को पीसकर एक कंटेनर में इसे निकाल लें, अब इसमें दो बड़े चम्मच शहद, दो चम्मच चीनी और नींबू का रस मिला दे। अब इस पेस्ट को अच्छी तरह फेंट ले। अब आपका स्क्रब बनकर तैयार है, आप इसे कोहनी पर लगाने से पहले अपनी कोहनी को अच्छी तरह पानी से धो लें, उसके बाद इसे लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इस स्क्रब का आप एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती है।

स्टाइलिश लुक के लिए परफेक्ट हैं खास इयररिंग्स

इयररिंग्स आपके लुक में नई जान डालने का काम करते हैं, और साथ ही, आपके लुक को स्टाइलिश और ब्यूटीफुल भी बनाते हैं। इसलिए आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले इयररिंग्स पर नजर डालनी चाहिए। इस तरह के इयररिंग्स ऑफिस में आपको प्रोफेशनल लुक देने का काम करेंगे, साथ ही, अगर आप इन्हें पार्टी में पहनती हैं, तो ये आपके लुक में चार चांद लगा देंगे।

पर्ल इयररिंग्स

डार्क कलर के आउटफिट में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के पर्ल इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स फ्लावर डिजाइन में हैं और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर नजर आएगा। ये इयररिंग्स आप किसी पार्टी में शामिल होने के दौरान पहन सकती हैं और ये आपको 200 रुपये तक की कीमत में आसानी से मिल सकते हैं।

अलॉय डिजाइन इयररिंग्स

पर्ल वर्क में आप इस तरह के अलॉय डिजाइन वाले इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये इयररिंग्स जहाँ अलॉय डिजाइन में हैं, वहीं ये पर्ल वर्क में भी हैं। इस तरह के इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं और इन्हें आप लाइट और डार्क कलर के आउटफिट

के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये इयररिंग्स आपको आसानी से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 200 रुपये से 300 रुपयेकी कीमत में मिल सकते हैं।

क्यूबिक डिजाइन इयररिंग्स

अगर आप ऑफिस में साड़ी या सूट स्टाइल कर रही हैं, तो आप इस तरह के क्यूबिक डिजाइन वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट हैं और इन्हें आप बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सस्ते दाम में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। पार्टी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के स्टोन वर्क इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये स्टोन वर्क इयररिंग्स फ्लोरल डिजाइन में हैं।

मानसून में साड़ी की कुछ खास डिजाइन जीत लेगी आपका दिल

बारिश का मौसम शुरू हो गया है और ऐसे मौसम में अधिकतर महिलाएं आरामदायक और हलके कपडे पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं, तो ये खबर आपके लिए खास हो सकती हैं। आज हम आपको इस सीजन में पहनने के लिए कुछ ऐसे साड़ी के कलेक्शन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं।

लाइट पिंक प्योर लिनन साड़ी

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और मानसून में आरामदायक लुक पाने के लिए अगर आप भी साड़ी तलाश रही हैं, तो आपके लिए यह लाइट पिंक प्योर लिनन साड़ी बेस्ट हो सकती हैं। ऐसी साड़ी को आप मार्केट जाकर अपने लिए खरीद सकती हैं। या ऑनलाइन भी आर्डर कर सकती हैं। यह साड़ी आपको स्टाइलिश लुक देने के साथ साथ आपको कम्फर्ट लुक देने में भी मदद करेगी।

लाइट ग्रीन वोवेन लिनन साड़ी

मानसून सीजन में स्टाइल करने के लिए आप लेटेस्ट साड़ी डिजाइन देख रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आप इस खूबसूरत लाइट ग्रीन वोवेन लिनन साड़ी को ट्राई कर सकती हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। अधिकतर महिलाएं बरसात के मौसम में इस तरह की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आपके लिए ये बेस्ट हो सकती हैं।

शिबोरी लिनन साड़ी

बारिश के मौसम में उमस होना एक आम बात है, लेकिन ऐसी उमस में रोजाना अलग अलग ऑउटफिट पहनकर ऑफिस या कॉलेज जानें में अधिकतर वर्किंग वीमेन को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अब आप इस खूबसूरत शिबोरी लिनन साड़ी को भी ट्राई कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आपके लुक को क्लासी टच देंगे कुछ चुनिंदा हेयर स्टाइल

अपने लुक को बनाना है क्लासी तो इन हेयर स्टाइल से लें इंस्पिरेशन, महफिल की रौनक बन जाएंगी आप

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए जहां महिलाएं बेस्ट आउटफिट का चुनाव करती हैं, तो वहीं परफेक्ट हेयर स्टाइल भी आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करता है। अगर आप अपने लुक को क्लासी टच देना चाहती हैं, तो आप एक्ट्रेसेस के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। ये हेयर स्टाइल्स आप किसी पार्टी या किसी खास इवेंट में शामिल होने के दौरान बना सकती हैं। वहीं, इन हेयर स्टाइल्स में आपका लुक बेहद ही अलग और सुंदर नजर आएगा। हम आपको एक्ट्रेसेस के कुछ ऐसे हेयर स्टाइल दिखा रहे हैं, जो आपके लुक को क्लासी और नया लुक देने का काम करेंगे।

साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल

साड़ी में क्लासी लुक पाने के लिए आप एक्ट्रेस अनन्या पांडे के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। एक्ट्रेस ने साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल बनाया है और इसमें उनका लुक बेहद ही सुंदर और स्टाइलिश नजर आ रहा है। इस तरह के हेयर स्टाइल को बनाने के लिए आप बालों को पीछे की तरफ खींचकर ऊपर करके ओर इकट्ठा करके बांध लें। इसके बाद आगे की तरफ कुछ बालों को वेव या कर्ल करके ब्यूटीफुल लुक पाएं।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

सबसे पहले बालों को दाएं या बाएं किसी भी तरफ साइड पार्ट करें।इसके बाद पिन की मदद से अच्छी तरह सेट करें। आगे आए हुए बालों को फ्लैट आयरन की मदद से स्ट्रेट करें।इसके साथ आप हेयर क्लिप या फ्लोरल पिन एक्सेसरीज भी लगा सकती हैं।

वेवी हेयर स्टाइल

अगर आप किसी इवेंट या पार्टी में शामिल हो रही हैं और इस दौरान साड़ी या ड्रेस पहन रही हैं, तो आप एक्ट्रेस मेधा शंकर की तरह वेवी हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इस तरह का हेयर स्टाइल आपके लुक को स्टाइलिश और क्लासी टच देने का काम करेगा और इसे बनाने के बाद आपका लुक सुंदर भी नजर आएगा।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

बालों को 3-4 सेक्शन में बांटें और इसके बाद कर्लिंग आयरन की मदद से हल्के कर्ल बनाएं।इसके बाद आप हाथों से हल्के से कर्ल्स को खोल दें। क्लासी लुक के लिए कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल्स में फ्रेंच ट्विस्ट, स्लीक बन, साइड पार्टेड वेव्स, और ब्रेडेड बन शामिल हैं। ये हेयरस्टाइल्स न केवल स्टाइलिश हैं, बल्कि इन्हें बनाना भी अपेक्षाकृत आसान है।

फ्रेंच ट्विस्ट

यह एक क्लासिक और एलिगेंट हेयरस्टाइल है जो किसी भी अवसर के लिए उपयुक्त है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके ट्विस्ट करें और बॉबी पिन से सिक्योर करें।

स्लीक बन

एक स्लीक बन एक और शानदार विकल्प है। इसे बनाने के लिए, बालों को कंघी करके पीछे की तरफ बांध लें और फिर एक बन बना लें। आप इसे अपनी पसंद के अनुसार हाई या लो बना सकते हैं।

साइड पार्टेड वेव्स

साइड पार्टेड वेव्स एक फैशनेबल और ट्रेंडी हेयरस्टाइल है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके कंघी करें और फिर वेव्स बनाएं।